सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 14 अंक - 332 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 14 सितंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

थोक महंगाई: अगस्त में पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा महंगाई दर

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से आज यानी 14 सितंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की थोक महंगाई दर अगस्त में लगातार पांचवें महीने निगेटिव जोन में रहीं। हालांकि निगेटिव जोन में रहने के बावजूद थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) के हाई -0.52 फीसदी पर पहुंच गई है, जो बीते पांच महीने का उच्चतम स्तर है। अगस्त में होलसेल महंगाई जुलाई के -1.36 फीसदी से बढ़कर -0.52 फीसदी पर आई है। हालांकि इसके 0.6 फीसदी पर रहने का अनुमान लगाया था।

अगस्त में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई जुलाई के 7.75 फीसदी से घटकर 5.62 फीसदी पर आ गई हे। अगस्त में प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई की बात करें तो यह जुलाई के 7.57 फीसदी से कम होकर 6.34 फीसदी हो गई। वहीं, ईंधन और बिजली की थोक महंगाई -12.79 फीसदी से बढ़कर -6.03 फीसदी पर आ गई। अगस्त में देश में विनिर्मित वस्तुओं की थोक महंगाई जुलाई के -2.51 फीसदी से बढ़कर 2.37 फीसदी पर रही है। अगस्त में कोर महंगाई दर 2.2 फीसदी पर बनी रही। थोक महंगाई के ये आंकड़े सरकार अगस्त महीने के खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़ों के दो दिन बाद आए हैं। 12 सितंबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में भारत की खुदरा महंगाई दर जुलाई के 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 फीसदी से घटकर 6.83 फीसदी आ गई।

नाव से स्कूल जा रहे 30 बच्चे बागमती नदी में डूबे, 20 निकाले, 10 बच्चे लापता

पटना। मुजफ्फरपुर में बड़ा नाव हादसा हुआ है। बागमती नदी में छात्रों से भरी नाव डूब गई। इसमें करीब 30 छात्र सवार थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम पहुंची। टीम ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से 20 से अधिक बच्चों को रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया। करीब एक दर्जन बच्चों की तलाश जारी है। घटना गायघाट थाना के बेनीबाद ओपी के बागमती नदी पर बने मधुरपट्टी घाट के पास की है। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि डीएम को इस मामले को देखने स्तर से जांच करने के लिए कहा गया है। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा सरकार की ओर से दिया जाएगा। वहीं मामले में डीएसपी पूर्वी शहरयार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

रायपुर : सीएम हाउस में पोला तिहार की बहार

सीएम बघेल बोले- छत्तीसगढ़ की सभी योजनाएं महिलाओं को केन्द्र में रखकर बनाई गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित तीजा पोरा तिहार में सपरिवार शामिल हुए। उन्होंने सपरिवार भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा-अर्चना के साथ ही किसानों के औजार हल और नांदी बैला की पूजा कर किसानों सहित प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं को महिलाओं को केन्द्र में रखकर बनाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से समूह में आई महिलाएं उत्साह के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ी गीतों पर महिलाओं ने नृत्य कर कार्यक्रम में नया जोश भर दिया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का तीजा-पोरा तिहार संबोधित करते हुए कहा कि हर साल की तरह पोरा तिहार के अवसर पर हम अपनी बहनों को अपने निवास में आमंत्रित करते हैं। आप सभी बड़े उत्साह के साथ आए, आप सभी को तीजा पोरा तिहार की बहुत शुभकामनाएं। प्रदेश में जो भी अतिथि आते हैं, महिलाओं को लेकर उनकी धारणाएं बदली है, छत्तीसगढ़ की महिलाएं जागरूक है और वह सक्रियता के साथ सभी गतिविधियों में भाग लेती हैं। इसलिए जब आप प्रदेश की सारी योजनाएं देखेंगे तो पाएंगे कि इन्हें महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान न्याय योजना, श्रमिक हितैषी योजना, गोधन न्याय योजना जैसी योजनाएं से लगभग 1 लाख 75 हज़ार करोड़ सीधे प्रदेशवासियों के खाते में भेजी गई है।

जब महिलाएं मायके जाती हैं तो होती है बारिश

उन्होंने कहा कि तीजा के अवसर पर ऐसा मानते है कि जब महिलाएं मायके जाती हैं तब बारिश होती है। आप देख रहे हैं कि पिछले दो-तीन दिन से अच्छी बारिश हो रही है। पिछले 5 सालों में हमारे प्रदेशवासियों और आप बहनों के अकाल-दुकाल नहीं पड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमने हाल ही में निर्देश जारी किए हैं कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। हमने प्रदेश में महिलाओं का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार शासकीय अंग्रेजी स्कूल खोला है, जहां गरीब परिवार के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने का मौका मिला है। हमारा लगातार प्रयास है कि हम सब लोगों को आर्थिक रूप से संपन्न बनाएं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं घर ही नहीं संभाल रही है बल्कि मोर्चा भी संभाल रही हैं। महिलाएं सर्च ऑपरेशन में जाती है। ऐसा ट्रूप बना है जो इस काम को बखूबी अंजाम दे रही है।

सरकार दे रही छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ावा

कार्यक्रम में महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया ने कहा की छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ावा देने वाला लोक पर्व पोला का आयोजन मुख्यमंत्री निवास में हो रहा है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कार्यक्रम आयोजन के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। लोक गायिका अलका चंद्राकर ने कार्यक्रम में तोला गाड़ा गाड़ा जोहार गीत से कार्यक्रम में नया जोश भर दिया।

एमपी के बीना में पीएम मोदी ने रखी पेट्रो केमिकल प्लांट की आधारशिला

बोले- सनातन को खत्म करना चाहता है घमंडिया गठबंधन

सागर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सागर के बीना में रिफाइनरी में 50 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले पेट्रो केमिकल प्लांट की आधारशिला रखी। रिफाइनरी से 3 किलोमीटर दूर हड़कलखाती गांव में सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'घमंडिया गठबंधन सनातन को समाप्त करना चाह रहा है। गांधी जी के आखिरी शब्द थे- हे राम...। वे जीवन भर सनातन के पक्ष में रहे।'

सभास्थल से ही मोदी ने 1800 करोड़ के इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का वर्चुअली शिलान्यास किया। इनमें नर्मदापुरम के ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन प्रक्षेत्र, आईटी पार्क-3 व 4 इंदौर, मेगा इंडस्ट्रियल पार्क रतलाम, 6 इंडस्ट्रियल पार्क (नर्मदापुरम, गुना, शाजापुर, मऊगंज, आगर-मालवा और मक्सी) शामिल हैं। बता दें प्रधानमंत्री का मध्यप्रदेश में 6 महीने में यह छठवां दौरा है। 12 अगस्त को उन्होंने सागर आकर संत रविदास मंदिर की आधारशिला रखी थी।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में हर देशवासी ने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए ये जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर हो। हमें विदेशों से कम से कम चीजें मंगानी पड़ें। आज भारत पेट्रोल - डीजल तो बाहर से मंगाता ही है, हमें पेट्रो केमिकल प्रोडक्ट्स के लिए भी दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है।

आज बीना रिफाइनरी में पेट्रो केमिकल कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास हुआ है। यह भारत को ऐसी चीजों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का काम करेगा। बहुत से लोगों को यह पता ही नहीं होता कि प्लास्टिक पाइप, बाल्टी-मग, कुर्सी-टेबल, पेंट, पैकिंग मटीरियल, मेडिकल उपकरण बनाने में पेट्रो केमिकल की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

अब बीना में बनने वाला यह कॉम्प्लेक्स इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाई पर ला देगा, यह मैं आपको गारंटी देने आया हूं। यहां नई इंडस्ट्री आएंगी। किसानों, छोटे उद्यमियों को मदद मिलेगी, सबसे बड़ी बात है कि मेरे नौजवानों को भी रोजगार के हजारों मौके मिलने वाले हैं।

नए भारत में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का भी कायाकल्प हो रहा है। जैसे-जैस देश की जरूरत बढ़ रही है, जरूरतें बदल रही हैं। इसी सोच के साथ आज यहां इस कार्यक्रम में एमपी के दस नए इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया गया। मध्यप्रदेश के औद्योगिक ताकत बढ़ेगी तो इसका लाभ सभी को होने वाला है।

कश्मीर में बड़ा आतंकी हमला: कर्नल-मेजर सहित कश्मीर पुलिस के डीएसपी शहीद

नईदिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर में पिछले 3 दिनों में आतंकियों के साथ एनकाउंटर में आर्मी और पुलिस के 3 अफसर शहीद हो गए। एक अन्य जवान लापता है। दरअसल, अनंतनाग जिले के गाडोल में 3 से 4 आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सेना और पुलिस ने मंगलवार शाम संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया था। रात होने पर ऑपरेशन रोक दिया गया था।

13 सितंबर बुधवार सुबह जब दोबारा तलाश शुरू की गई, तो आतंकियों ने घने जंगल में घात लगाकर घेराबंदी की और हमला किया। उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग की। इसके चलते 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट शहीद हो गए। मनप्रीत मोहाली के और मेजर आशीष पानीपत और भट कश्मीर के बडगाम के रहने वाले थे।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े प्रतिबंधित रेजिस्टेंट फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। अफसरों का मानना है कि ये वही आतंकी हैं, जिनसे 4 अगस्त को कुलगाम के जंगल में मुठभेड़ में 3 जवान शहीद हो गए थे। कश्मीर में पिछले तीन साल में यह सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले इससे पहले कश्मीर के हंदवाड़ा में 30 मार्च 2020 को 18 घंटे चले हमले में कर्नल, मेजर और सब-इंस्पेक्टर समेत पांच अफसर शहीद हुए थे।

गारियाबंद में बड़ा हादसा: नेशनल हाइवे पर आमने-सामने भिड़ीं दो बसें, 10 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल

गरियाबंद। नेशनल हाईवे-130 पर गुरुवार सुबह नौ बजे पोड़ के पास दो यात्री बसों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में 10 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल गरियाबंद और उप स्वास्थ्य केंद्र पंडुका पहुंचाया गया।

बताया जा रहा है कि गरियाबंद से राजिम जा रही शिवराज ट्रेवल्स और राजिम से गरियाबंद आ रहे परमेश्वरी ट्रेवल्स की बस के बीच भिड़ंत हुई है। दोनों ही बसों में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे, जिसमें महिलाए भी शामिल हैं। हादसे के बाद

मौके पर चीख पुकार मच गई। बस में बड़ी संख्या में महिलाएं और स्कूली बच्चे भी थे। बच्चों ने ही साहस दिखाते हुए घायलों की मदद की। एंबुलेंस और थाने में सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घटना के बाद तीन घायलों को जिला अस्पताल गरियाबंद में भर्ती किया गया है। जिसमें गरियाबंद निवासी ऋतु गंधर्व, मजरकट्टा निवासी टंकेश्वर चंद्राकर, साधोली के गोपाल नाग शामिल हैं। जिला पंचायत सीईओ सहित प्रशासनिक अमला जिला अस्पताल पहुंच गया है।

रेलवे का कारनामा : रद्द ट्रेन को ऐन मौके पर किया बहाल

■ स्टेशन पहुंचे यात्री लौट चुके थे घर, सामने आई रेलवे की बड़ी लापरवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में आए दिन रद्द हो रही ट्रेनों के बीच बुधवार को रेलवे ने एक गजब कारनामा कर डाला। रेलवे का यह कारनामा जगदलपुर में देखने को मिला। दरअसल बुधवार को जगदलपुर से रवाना होने वाली जगदलपुर-राउरकेला एक्सप्रेस को रद्द करने की सूचना जारी की गई। इस दौरान सफर के लिए स्टेशन पहुंचे यात्री वापस लौट गए। दो घंटे बाद रेलवे ने उसी ट्रेन को बहाल कर दिया।

इसके कारण जो यात्री वापस लौट चुके थे वे यात्रा करने से वंचित रह गए। मामला सामने आने के बाद रेलवे के इस कारनामे का चौतरफा विरोध शुरू हो गया है। बताया जा रहा है बुधवार को कांग्रेस के रेल रोको आंदोलन के कारण यह स्थिति बनी। प्रदेश कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार रद्द हो रही ट्रेनों के कारण रेल रोको आंदोलन किया था। इसके कारण जगदलपुर राउरकेला एक्सप्रेस को ऐन मौके पर रद्द कर दिया गया। जगदलपुर से यह ट्रेन दोपहर 2:10 को रवाना होनी थी और यात्रा करने वालों ने आरक्षण भी करा रखा था। इस बीच 11:40 बजे रेलवे द्वारा एक आदेश जारी किया जिसमें उक्त ट्रेन को रद्द करने की सूचना थी।

दो घंटे बाद कर दिया बहाल

ट्रेन रद्द होने की सूचना स्टेशन पर पहुंचने पर यात्रियों को मिली तो वे वापस लौट गए। गेट से उन्हें लौटा दिया गया। इसके बाद करीब 1:50 बजे फिर से सूचना जारी कर जगदलपुर- राउरकेला एक्सप्रेस को बहाल कर दिया। रेलवे ने पूर्व में जारी सूचना को निरस्त कर नई सूचना जारी की। यह सूचना ट्रेन रवाना होने के 20 मिनट पहले जारी की गई, तब तक कई यात्री वापस जा चुके थे। इस तरह कई यात्री सफर करने से वंचित रहे गए। वहीं रेलवे नियमों के तहत आरक्षित टिकट का रिफंड भी उन्हें नहीं मिल पाएगा। बताया जा रहा है कि ट्रेन जब रवाना हुई तो चंद यात्री ही उसमें सवार थे।

आजाद पंछी है मेरी वाली हिन्दी

श्रीकंचनपथ

अंग्रेजी सीखने को लेकर आम भारतीय जितना सतर्क और सचेष्ट है, उतना वह हिन्दी को लेकर नहीं है। अंग्रेजी सीखने के लिए न केवल लोग निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की भारी-भरकम फीस भरते हैं बल्कि इसके बाद भी ट्यूशन और कोचिंग जाते हैं। फर्राटे से अंग्रेजी बोलना सीखने के लिए स्पोकन इंग्लिश की क्लास जाते हैं तो विदेश जाने से पहले आईईएलटीएस की परीक्षा दिलाते हैं। पर ऐसी कोई कोशिश हिन्दी को सुधारने या संवारने की नहीं दिखाई देती। उल्टे हर कोई अंग्रेजी सीखकर हिन्दी को छोड़ने के लिए उतावला हुआ पड़ा है. जैसे चार पैसे आते ही लोग बस्ती छोड़कर कालोनी में शिफ्ट हो जाते हैं उसी तरह अंग्रेजी सीखते ही लोग हिन्दी से किनारा कर जाते हैं। मिडिल क्लास में अंग्रेजी का क्रेज सबसे ज्यादा है। यहां पपाया को पपीता कहने पर बच्चों की कुटाई होती है। वह मिल्क पीता है, पॉट्टी करता है। उसे मोबाइल और टीवी पर केवल अंग्रेजी के कार्टून शो और एनिमेशन देखने की इजाजत होती है। बच्चा तो बच्चा, मिडिल क्लास घर का कुत्ता भी अंग्रेजी ही सीखता है। हिन्दी को आज भी कोई राष्ट्रभाषा कहता है तो कोई राजभाषा। महात्मा गांधी ने 1917 में हिन्दी को राष्ट्रभाषा कहा था, पर जब देश का संविधान बना तो इसे राजभाषा का दर्जा दिया गया। हिन्दी आज भी राजभाषा ही है। राजभाषा से तात्पर्य उस भाषा से है जिसका उपयोग शासन करता है। राष्ट्रभाषा का अर्थ एक राष्ट्र में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा से है। भाषा का एक और वर्गीकरण है मातृभाषा। यह वह भाषा है जो किसी व्यक्ति द्वारा घर या परिवार में बोली जाती हो। हिन्दी को राष्ट्रभाषा कहने वालों का तर्क है कि हिन्दी देश के सभी भागों में बोली जाने वाली भाषा है। देश के किसी भी कोने में चले जाएं वहां हिन्दी बोलने समझने वाला कोई न कोई मिल ही जाता है। यही बात अंग्रेजी के लिए भी कही जा सकती है। वैसे संगीत ने इन दिनों पंजाबी को भी खूब लोकप्रिय कर रखा है। इंग्लिश जहां संपर्क, संचार और अध्ययन/शोध की जरूरत है, वहीं पंजाबी और भोजपुरी मनोरंजन की भाषा है। अब तो स्कूली शिक्षा मातृभाषा में देने की सहमति बनती दिखाई दे रही है। तो फिर हिन्दी कहां है? हिन्दी बंदी है मुट्ठी भर लोगों की हथेली में जो उसकी समृद्धि का रास्ता रोके खड़े हैं। भाषा प्रचलित शब्दों को आत्मसात कर समृद्ध होती है। पर ये होशियार अब हिन्दी से बीन-बीन कर उर्दू के शब्दों को अलग कर रहे हैं। अंग्रेजी के शब्दों के हिन्दी पर्यायवाची बनाने की फूहड़ कोशिशें भी ये करते रहे हैं पर लोगों ने उसे कभी स्वीकार नहीं किया। पर जिस हिन्दी को हम जानते हैं वह तो आजाद पंछी है. वह हिन्दी फिल्मों, कवि सम्मेलनों, रेडियो, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के जरिए देश-देशांतर तक फैली हुई है। ये वाली हिन्दी बढ़ती रही है और बढ़ती रहेगी।

संपादकीय

सुर्खियों की राजनीति

जब चुनाव करीब हों, तब अखबारों की सुर्खियां अनायास ध्यान खींचने लगती हैं और अध्ययन-मनन का विषय बन जाती हैं। आधुनिक दुनिया में जब प्रचार-प्रसार का महत्व बढ़ता ही चला जा रहा है, तब स्वाभाविक ही राजनीति भी ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार केंद्रित होती जा रही है। राजनीति शास्त्र में भी यह माना जाने लगा है कि एक लोकप्रिय राजनीतिज्ञ वही है, जो किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा में रहता है। जो राजनेता चर्चा में नहीं रहते हैं, उनको लोग भी भुला देते हैं और उन्हें चुनाव जीतने में भी परेशानी आती है। आज की आपाधापी में सामान्य खबरों के लिए जगह सिमटती जा रही है। बड़ी खबरों में भी जो बहुत बड़ी खबरें हैं, वही सुर्खियों में आ पाती हैं। किसी भी देश या समाज में सत्ता का जो समीकरण होता है, वही शायद सुर्खियां तय करता है। बड़ी से बड़ी खबर को हाशिये पर किया जा सकता है, अगर उससे भी बड़ी खबर पैदा कर दी जाए। अक्सर यह देखा गया है कि विपक्ष भले ही अपनी पसंद का मजबूत मुद्दा चुन ले, पर अगर सत्तापक्ष सशक्त हो, तो वह उस विषय में भी नैरेटिव या कहानी को अपनी ओर मोड़ने में कामयाब हो सकता है। सुर्खियों की राजनीति की अनेक मिसालें हैं, जिनकी चर्चा एक परिपक्व लोकतंत्र में जरूर होनी चाहिए। इससे देश को और बेहतर समझने में मदद मिलती है। साथ ही, सही फैसला करना आसान हो जाता है। अब इसमें कोई दोराय नहीं है कि जब चुनाव सामने हैं, तब करीब 28 दलों ने मिलकर एक मजबूत विपक्ष खड़ा कर लिया है, जिसका नाम 'इंडिया' रखा गया है और जिसकी खूब चर्चा है।

> “ शुरू में ऐसा लगा कि इंडिया नाम से बना गठबंधन परिचय के मामले में बाजी मार ले जाएगा, लेकिन सत्ता पक्ष ने भारत शब्द की पक्षधरता का बिगुल बजाकर मुकाबले को तगड़ा बना दिया। कहानी इंडिया बनाम भारत बन गई। इसमें कोई शक नहीं कि भारत शब्द का समाज और भावार्थ व्यापक है। नतीजा यह कि जहां इंडिया की चर्चा हो रही है, वहां भारत शब्द की भी गूंज है।

शुरू में ऐसा लगा कि इंडिया नाम से बना गठबंधन परिचय के मामले में बाजी मार ले जाएगा, लेकिन सत्ता पक्ष ने भारत शब्द की पक्षधरता का बिगुल बजाकर मुकाबले को तगड़ा बना दिया। कहानी इंडिया बनाम भारत बन गई। इसमें कोई शक नहीं कि भारत शब्द का समाज और भावार्थ व्यापक है। नतीजा यह कि जहां इंडिया की चर्चा हो रही है, वहां भारत शब्द की भी गूंज है। कुल मिलाकर, लोगों के बीच एक आम धारणा यह बनी है कि सिर्फ इंडिया नाम रख लेने से काम आसान नहीं हो जाएगा। तय है, आगामी दिनों में सुर्खियों की राजनीति खूब होगी और इससे कतई बचा नहीं जा सकता। ध्यान दीजिए, जब जून महीने के उत्तरार्द्ध में विपक्षी गठबंधन की पटना में बैठक हुई, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका दौरे की खबरें सुर्खियों में चल रही थीं। जब जुलाई में बेंगलुरु में 26 दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया की दूसरी बैठक हुई, तब दिल्ली में एनडीए की बैठक में 38 दल शामिल हो गए। विपक्ष की लोकतांत्रिक एकजुटता का जवाब सत्तापक्ष ने भी अपनी विशालता से दिया। अगस्त के अंत में जब मुंबई में विपक्ष की बैठक शुरू हुई, तब मुंबई में ही एनडीए की बैठक भी आयोजित हुई। दो-तीन दिनों तक एक देश-एक चुनाव, आदित्य एल1, संसद के विशेष सत्र और रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष की नियुक्ति की खबरों ने विपक्षी महागठबंधन से संबंधित खबरों को तगड़ी चुनौती दी। उसके बाद 13 सितंबर को जब नई दिल्ली में विपक्षी दल साथ बैठे, तब भी केंद्र सरकार ने अनेक बड़े फैसलों की घोषणा की। एक सफलतम योजना उज्ज्वला के विस्तार के साथ ही संसद के विशेष सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक की घोषणा सुर्खियों में आ गई। सुर्खियों में रहने का यह संग्राम जितना स्वाभाविक है, उतना ही दिलचस्प भी रहेगा।

जोर के बोल और नसीहत का मखौल

आज एक ट्रक के पीछे लिखा मजेदार वाक्य पढ़ने को मिला- मां को इक्कीस साल लग जाते हैं जिस बेटे को जेंटल बनाने में, बीवी को इक्कीस मिनट भी नहीं लगते, उसी को मेंटल बनाने में। कमाल है लोगों की सोच का। कितनी आसानी से अपनी दुर्बलताओं का दोष वे दूसरों के सिर मढ़ देते हैं। बचपन में जब किसी जगह या वस्तु से टकरा कर कोई बच्चा गिर जाता है तो मां उस जगह और वस्तु पर मुक्का मारती है या लात मारती है। वह दरअसल बच्चे को चुप करवाने के लिये यह दर्शाती है कि बच्चे का कसूर नहीं है बल्कि जहां ठोकर लगी है, उस जगह का कसूर है। बस इसीलिये हमारे लाडले अपनी गलतियों को शिरोधार्य नहीं करते बल्कि दूसरों के कन्धों पर लादते रहते हैं। किसी समझदार ने अपने दोस्त को तंदुरुस्ती के उपाय बताते हुये कहा- दाल मूंगी अर जनानी गूंगी। क्या गजब कहावत है! औरतें बोलें ही न! हर आदमी को शान्त स्वभाव की घरवाली चाहिये। आमतौर से घर-परिवारों में लोग बोलते कम ही हैं, चीखते-चिल्लाते ज़्यादा हैं। और अगर यह चिल्लाना गली या चौराहों पर हो जाये तो गालियां तो उनकी वाणी का अनिवार्य तत्व हो जाता है। मैंने आज तक बिरले ही देखे जो गालियों से परहेज़ करते हों। एक बार मैंने पांच-छह साल के एक लड़के को बहुत गन्दी गाली देते हुये सुना तो पूछे बिना नहीं रहा गया कि उसने गाली कहां से सीखी। बच्चे का जवाब था- पापा से। घर में औरतें अपने बेटों और पतियों को समझाने में लगी रहती हैं कि धीमी आवाज़ में बात किया करें। यह सुनकर तो आदमी और जोर से बोलता है। जैसे कि कोई प्रेस्टीज कोश्चन आ गया हो। मजेदार बात यह है जब औरतों को उम्र के लिहाज से ऊंचा सुनना शुरू हो जाता है तो वे अपने पति से रिक्वेस्ट करती हैं कि जरा जोर से बोलो। तब आदमी को ऊंचा बोलना स्वीकार नहीं होता। औरतें भी सारी उम्र 'सुनते हो, सुनते हो' कहकर गुजार देती हैं। मानो उन्हें पूरा विश्वास हो कि उन्हें सुना ही नहीं जा रहा।

निश्चित था यह विस्फोट

हैदराबाद की स्थिति जिस प्रकार बिगड़ती जा रही थी और भारत सरकार की निजाम सरकार जिस प्रकार उपेक्षा कर रही थी, उसमें विस्फोट निश्चित था। हमारे प्रधानमंत्री निकट भविष्य में गंभीर घटनाओं का संकेत दे चुके थे और भारत सरकार की मांगों पर निजाम के इन्कार ने भारत सरकार को आखिर उन्हें यह सूचना देने के लिए बाध्य किया कि ''भारत सरकार इस नतीजे पर पहुंचने को मजबूर है कि हैदराबाद सरकार यथार्थ का मुकाबला नहीं करना चाहती और रजाकारों व अन्य निजी सेनाओं को भंग करने तथा भारतीय सेनाओं को सिकन्दराबाद लौटने देने को रजामन्द नहीं है जो कि हमारी राय में हैदराबाद में कानून व व्यवस्था की पुनर्स्थापना का एकमात्र उपाय है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए जो भी आवश्यक कार्रवाई करना चाहे, उसके लिए स्वतंत्र है। इसके यदि गंभीर परिणाम हों, तो उसकी जिम्मेदारी निश्चय ही हैदराबाद सरकार की होगी। इस सबके बाद केवल भारतीय फौजों का हैदराबाद में प्रवेश बाकी था जिसमें केवल 'आगे बढ़ो' के आदेश की देर थी। सोमवार (13 सितंबर) के बड़े सवेरे वह दे दिया गया और प्रात चार बजे भारतीय सेना ने चारों ओर से हैदराबाद की सीमा में घुसना शुरू कर दिया है। प्रतिरोध स्वाभाविक था, परन्तु अभी तक प्राप्त समाचारों के अनुसार वह बड़ी समस्या साबित नहीं हुआ है। इस अवसर पर भारतीय सेना के नायक लेफ्टिनेंट जनरल राजेन्द्र सिंह ने जो आदेश फौजों तथा हैदराबादवासियों को दिये हैं, वे सराहनीय हैं। इनमें स्पष्ट कहा गया है कि भारतीय सेना अशांत स्थिति ठीक करने ही वहां जा रही है और शांतिप्रिय एवं कानूनपालक लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। हिंदू-मुस्लिम हर एक नागरिक को रक्षा का आश्वासन दिया गया है और सैनिकों को अपनी ऊंची परम्परा के अनुसार कार्य करने का आदेश दिया गया है।

> “ ब्रिटेन में हिंदी को लेकर तंत्र का रुझान भी काफी बदला है। कोई ढाई-तीन दशक पहले तक यहां के स्कूलों में हिंदी के अध्यापक और विद्यार्थी हुआ करते थे, लेकिन हिंदी के प्रति अभिभावकों की बेरुखी के कारण पहले विद्यार्थियों की संख्या कम हुई, बाद में अध्यापकों की। तब फ्रेंच, जर्मन या अन्य यूरोपीय भाषा हिंदी पर भारी पड़ने लगी थी।

हिंदी का हर बरस बढ़ता हौसला

नरेश कौशिक, लंदन स्थित वरिष्ठ पत्रकार

यह बात 1985 की है, जब भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी पश्चिम यूरोप की अपनी पहली यात्रा पर फ्रांस गए थे। मैं तब बीबीसी की तरफ से उस यात्रा को कवर करने पेरिस पहुंचा था। वहां जिस चीज ने मेरा ध्यान बरबस खींचा, वह यह थी कि फ्रांस की तरफ से सारे निमंत्रण पत्र, दस्तावेज आदि फ्रांसीसी भाषा में जारी किए गए थे, जबकि भारत सरकार की तरफ से जारी तमाम कागजात अंग्रेजी में थे। एक भी पत्र हिंदी में नहीं था, और न ही प्रधानमंत्री राजीव गांधी और किसी भारतीय अधिकारी ने हिंदी में कोई बात की। तब यह बात मुझे बहुत अखरी थी। आखिर हमें अपनी भाषा पर नाज क्यों नहीं था?

गर्व करने का यह मौका काफी साल बाद 2003 में आया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को हिंदी में संबोधित किया। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। हालांकि, विदेश मंत्री के रूप में वह 1977 में भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण दे चुके थे, लेकिन 2003 का वह अधिवेशन संकेत था कि भारत बदल रहा है। और, तब से हिंदी की हैसियत लगातार मजबूत ही हुई है। ब्रिटेन में हिंदी भाषा-संस्कृति आज से चार सौ वर्ष पूर्व किसी न किसी बोली के रूप में गोरे साहबों के साथ आ चुकी थी, लेकिन देवनागरी में लिखी खड़ी बोली का अभ्यास स्वतंत्रता के बाद कई स्तरों पर शुरू हुआ। इस कार्य में ब्रिटेन स्थित विश्वविद्यालय, भारतीय उच्चायोग और कुछ स्वयंसेवक संस्थाओं का बड़ा योगदान है।

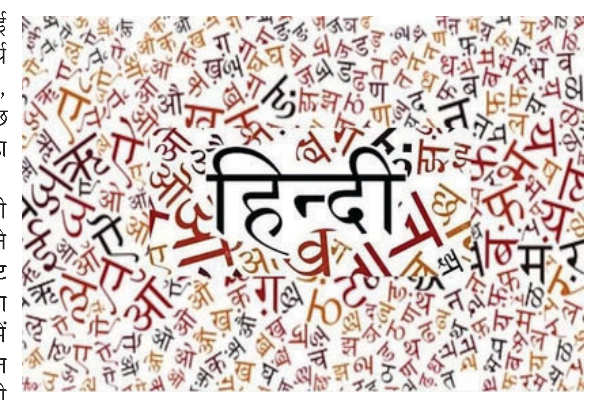

पिछले दस वर्षों में हिंदी के विस्तार में प्रौद्योगिकी ने काफी मदद की है। इंटरनेट की वजह से बहुत सारे लोग हिंदी से जुड़ रहे हैं। भारत में चलने वाली कई ऑनलाइन पत्रिकाएं पूरी दुनिया में पढ़ी जा रही हैं। हिंदी में ऐसे कई सेमिनार हो रहे हैं, जिनमें विदेश से लोग जुड़ते हैं। इसी कारण हिंदी का समाज पहले से कहीं ज्यादा समृद्ध हो रहा है, और अधिक से अधिक भारतीय विदेश में हिंदी में बात करना पसंद करने लगे हैं। हिंदी को लेकर पहले जो लोगों में डर बना रहता था, वह अब खत्म हो गया है। इसकी एक बड़ी वजह युवा भारतीय हैं, जो काफी संख्या में यूरोप और अमेरिका जा रहे हैं। यहां ब्रिटेन में ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वित्तीय सलाहकार, अकाउंटेंट जैसे अच्छे-अच्छे पदों पर भारतीय दिख जाएंगे, जो अपने परिवार के साथ यहां रह रहे हैं। ये लोग चाहते हैं कि उनके बच्चे हिंदी या अपनी मातृभाषा में ही बात करें।

मैं ब्रिटेन 1981 में आया था, तब यही सलाह दी जाती थी कि बच्चे से अंग्रेजी में बात कीजिए, क्योंकि वह यदि स्कूल में अंग्रेजी नहीं बोल सका, तो बाकी बच्चों से अलग-थलग पड़ जाएगा। मगर अब देखकर अच्छा लगता है कि तस्वीर काफी बदल गई है। बच्चा जिस देश में रहता है, वहां की भाषा सीख ही लेता है। बेशक आज मेरी संतानों का हिंदी में हाथ कुछ तंग है, लेकिन अच्छे से हिंदी न पढ़ सकने वाली मेरी बेटी 'एलेक्सा' (अमेजन की वर्चुअल असिस्टेंट) से हिंदी में ही बात करती है, जबकि मैंने अपने भारत-प्रवास के दौरान देखा था कि वहां ज्यादातर लोग एलेक्सा से अंग्रेजी में ही बात करना पसंद करते हैं।

ब्रिटेन में हिंदी को लेकर तंत्र का रुझान भी काफी बदला है। कोई ढाई-तीन दशक पहले तक यहां के स्कूलों में हिंदी के अध्यापक और विद्यार्थी हुआ करते थे, लेकिन हिंदी के प्रति अभिभावकों की बेरुखी के कारण पहले विद्यार्थियों की संख्या कम हुई, बाद में अध्यापकों की। तब फ्रेंच, जर्मन या अन्य यूरोपीय भाषा हिंदी पर भारी पड़ने लगी थी। मगर अब तो यहां हिंदी के ऑनलाइन स्कूल भी चलने लगे हैं। इंदु बैराठ का 'गुरुकुल' स्कूल तो काफी लोकप्रिय है। सुरेखा चौपाला भी यूके हिंदी समिति की तरफ से एक स्कूल चलाती हैं। इस समिति की स्थापना हिंदी प्रेमी पद्मेश गुप्त ने की है, जो खुद भी काफी सक्रिय रहते हैं। कथा यूके के अध्यक्ष तेजेंद्र शर्मा, वातायन संस्था की अध्यक्षा दिव्या माथुर, तितिक्षा शाह, उषा राजे सक्सेना, मोहन राणा, डॉ कृष्ण कुमार जैसे कई लोग हैं, जो हिंदी की सेवा में अनवरत जुटे हैं, और समाज में ऊंचा स्थान रखते हैं।

हिंदी को साहित्य समृद्ध करता है, और यहां अब ऑनलाइन ही नहीं, ऑफलाइन भी कई हिंदी किताबें मिलने लगी हैं। पुरानी स्टार बुक्स की दुकान और अब राजकमल और वाणी जैसे प्रकाशन संस्थान अपनी किताबें यहां भेजने लगे हैं। भारत सरकार भी अपनी तरफ से लगातार कोशिश कर रही है, और दूतावास में तैनात हिंदी अधिकारी अपने तईं कई काम करने लगे हैं। भारत में सक्रिय प्रभा खेतान फाउंडेशन जैसी संस्थाएं तो हिंदी लेखकों को यहां भेजती हैं, जिनका हिंदी-प्रेमियों से सुखद संवाद होता है।

हिंदी के बढ़ते कद में हिंदी फिल्मों का भी उल्लेखनीय योगदान है। खासकर अफ्रीका, पश्चिम एशिया और अरब मुल्कों में हिंदी फिल्में काफी लोकप्रिय हैं। कुछ साल पहले जब मैं पर्वतारोहण के सिलसिले में रूस गया था, तो वहां के गाइड ने राज कपूर के गाने और फिल्मी संवाद खूब सुनाए थे। यहां कोई भी महसूस कर सकता है कि दूसरी पीढ़ी के भारतवंशी बॉलीवुड फिल्में इसलिए देखने लगे हैं, ताकि वे हिंदी सीख सकें। ऐसे में, हिंदी नायक-नायिकाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। मगर विडंबना है कि नई पीढ़ी के हिंदी कलाकार रोमन भाषा में लिखे संवाद बोलना ही पसंद करते हैं। इससे उनके बोलने का लहजा बदल जाता है। जबकि उन्हें इसलिए भी हिंदी की अधिक सेवा करनी चाहिए, क्योंकि वे इसी भाषा से जीवन-यापन कर रहे हैं। हालांकि, अमिताभ बच्चन, आशुतोष राणा, मनोज वाजपेयी, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार अपनी मौलिक संवाद-अदायगी के कारण खूब पसंद किए जाते हैं, लेकिन बहुतायत में ऐसे कलाकार ही दिखते हैं, जो विदेश में सिर्फ अंग्रेजी बोलना चाहते हैं।

हिंदी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी जितनी भारतीयों पर है, उतनी ही भारतवंशियों पर भी है। ब्रिटेन में तो हिंदी के कई शब्द बहुतायत में इस्तेमाल होते हैं। जंगल, पक्का, बंगला, नमस्ते, धन्यवाद जैसे शब्द यहां काफी बोले जाते हैं। चटनी शब्द भी यहां पसंद किया जाता है। लंदन यूनिवर्सिटी के विभाग स्कूल ऑफ ऑरिएंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज में तो हिंदी पढ़ने वाले कई सारे छात्र अंग्रेज हैं। इन सबसे यही आश्वासन मिलता है कि हिंदी का भविष्य काफी उज्ज्वल है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत की तेज तरक्की और सटीक आंकड़ों का रिश्ता

हिमांशु, एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान 31 अगस्त को जारी किए गए थे। अनुमान के मुताबिक, इस पहली तिमाही में जीडीपी में स्थिर कीमतों पर साल-दर-साल आधार पर 7.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यह मोटे तौर पर अपेक्षाओं के अनुरूप है, पर भारत की आर्थिक वृद्धि को लेकर दीर्घकालिक चिंताएं बरकरार हैं। पिछले साल की समान तिमाही की वृद्धि की तुलना में कृषि, वित्त, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं को छोड़कर सभी क्षेत्रों में विकास धीमा हो गया है।

हालांकि, आने वाले वर्षों में आर्थिक विकास की दशा-दिशा को लेकर मिली-जुली राय हो सकती है, पर असल मुद्दा आधिकारिक अनुमानों की विश्वसनीयता है। राष्ट्रीय लेखा डाटा की विश्वसनीयता पर पहले भी सवाल उठे हैं। प्रमुख आलोचकों में पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम भी शामिल रहे हैं। यहां कार्यप्रणाली और अवधारणाओं की आलोचना तो होती है, बड़ी समस्या पुराने डाटा के इस्तेमाल को लेकर भी है। वर्ष 2011-12 पर आधारित आंकड़े ही अभी इस्तेमाल हो रहे हैं। अनेक आधिकारिक अनुमान एक दशक से भी अधिक पुराने हैं। उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के निष्कर्ष के आंकड़े मौजूद नहीं हैं और 2025 से पहले उपलब्ध होने की संभावना भी नहीं है। हालांकि, कुछ संकेतकों के लिए ताजा आंकड़े उपलब्ध हैं, जैसे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, जो पिछले पांच वर्षों से उपलब्ध है, हालांकि इसे अब भी अपडेट नहीं किया गया है। असंगठित क्षेत्र के मामले में भी ऐसा ही है, जिसके लिए हमारे पास कुछ डाटा उपलब्ध हैं, पर उन्हें अध्ययन में शामिल नहीं किया गया है। बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं, जिनके आंकड़े स्पष्ट नहीं हैं। एक बड़ा अभाव यह है कि जनगणना के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं और इसके साल 2026 से पहले उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

यह भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर समस्या है।

जीडीपी अनुमान किसी अर्थव्यवस्था की सेहत को दर्शाने के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला संकेतक है और ताजा आंकड़ों की अनुपस्थिति नवीनतम अनुमानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा देती है। खुदरा स्तर पर मुद्रास्फीति का हमारा संकेतक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित होता है, जिसका आधार वर्ष अब भी 2011-12 है। उपभोग के ढर्रे में तेजी से बदलाव के साथ यह भी पुराना हो गया है। चूंकि उपभोग व्यय सर्वेक्षण का 2022-23 दौर अब पूरा हो गया है, कम से कम इतना तो किया ही जा सकता है कि इन दोनों जरूरी डाटा प्रणालियों को नवीनतम जानकारी के अनुसार अपडेट कर लिया जाए।

हमारे लिए जीडीपी और मुद्रास्फीति दो महत्वपूर्ण संकेतक हैं, जिनका उपयोग नीति निर्माताओं द्वारा प्रमुख नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने में किया जाता है। नागरिकों तक बुनियादी सुविधाओं व सेवाओं को पहुंचाने के लिए यह जरूरी है। इनमें से सबसे प्रमुख डाटाबेस सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) है, जिसका उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों और कुछ शहरी भारत में लगभग सभी कार्यक्रमों के लाभार्थियों की पहचान के लिए किया जाता है। हालांकि, पिछला एसईसीसी 2012 में किया गया था। इस एक दशक में घरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति जरूर बदल गई होगी। आज आंकड़े चूंकि जमीनी हकीकत का सच्चा प्रतिबिंब दिखाने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए किसी भी योजना में लोगों को शामिल करने या बाहर रखने में त्रुटियां बनी रह सकती हैं।

गलत या पुराने आंकड़े नए उभरते मुद्दों पर हमारी नीतिगत प्रतिक्रिया को भी भटका सकते हैं। इसका एक अच्छा उदाहरण देश का कृषि संबंधी आंकड़ा है। जीडीपी डाटा के नवीनतम अनुमान कृषि विकास में तेजी दर्शाते हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और हो सकती है। ऐसे में, रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के लिए भी किसी अनुमान या निर्णय में परेशानी होना सामान्य है।

जब महंगाई बनी हुई है और लोगों की आय पर दबाव है, तब पुरानी जनगणना अनुमानों और 2012 एसईसीसी का उपयोग अनेक परिवारों को कई लाभों से वंचित कर रहा है। जरूरतमंद लोगों तक खाद्य सुरक्षा पहुंचाने के लिए आंकड़ों का दुरुस्त होना जरूरी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पूरे देश से मिला है हिंदी को स्नेह

प्रमोद जोशी

हर साल हम 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' का समारोह मनाते हैं। हालांकि यह हिंदी के सरकारीकरण का दिन है, फिर भी बड़ी संख्या में लोगों का अपनी भाषा से प्रेम इस बहाने व्यक्त होता है। खासतौर से सरकारी दफ्तरों में तमाम लोग हिंदी के काम को व्यक्तिगत प्रयास से और बड़े उत्साह के साथ करते हैं। बेशक वाचिक भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार हुआ है। यानी कि मनोरंजन, खेल और राजनीति की भाषा वह बनी है। वह 'पैन इंडियन भाषा' भी बन गई है। मतलब मुंबइया, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबादी हिंदी की शैलियां। पर ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में उसका वैसा विकास नहीं हुआ, जैसा होना चाहिए। खबरिया और मनोरंजन चैनलों की वजह से हिंदी जानने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी सिनेमा की वजह से तो वह थी ही। सच यह भी है कि हिंदी की आधी से ज्यादा ताकत गैर-हिंदी भाषी जन के कारण है। गुजराती, मराठी, पंजाबी, बांग्ला और असमिया इलाकों में हिंदी को समझने वाले काफी पहले से हैं। भारतीय राष्ट्रवाद को विकसित करने में हिंदी की भूमिका को सबसे पहले बंगाल से समर्थन मिला था। वर्ष 1875 में केशव चन्द्र सेन ने अपने पत्र 'सुलभ समाचार' में हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारने की बात उठाई थी।

बंकिम चन्द्र चटर्जी भी हिंदी को ही राष्ट्रभाषा मानते थे। महात्मा गांधी गुजराती थे, फिर भी दक्षिण अफ्रीका से उन्होंने अंग्रेजी में अपना अखबार निकाला, तो उसमें हिंदी, तमिल और गुजराती को भी जगह दी। दो पीढ़ी पहले के हिंदी के श्रेष्ठ पत्रकारों में अमृत लाल चक्रवर्ती, माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णु पराडकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे, सिद्धनाथ माधव आगरकर और क्षितीन्द्र मोहन मित्र जैसे अहिंदी भाषी थे।

जैसे-जैसे हिंदी का विस्तार हो रहा है, उसके अंतर्विरोध भी सामने आ रहे हैं। दक्षिण के लोगों को भी समझ में आ गया कि बेहतर कैरियर के लिए हिंदी का ज्ञान भी ज़रूरी है। इसलिए नहीं कि हिंदी में काम करना है, इसलिए कि हिंदी इलाके में नौकरी करनी है तो उधर की भाषा का ज्ञान होना चाहिए। हिंदी की जानकारी होने से एक फायदा यह कि किसी तीसरी भाषा के इलाके में जाएं तो हिंदी की मदद मिल जाती है। पर राजनीतिक कारणों से विरोध भी होता है।

हिंदी को आज पूरे देश का स्नेह मिल रहा है और उसे पूरे देश को जोड़ पाने वाली भाषा बनने के लिए जिस खुलेपन की ज़रूरत है, वह भी उसे मिल रहा है। यानी भाषा में शब्दों, वाक्यों और मुहावरों के प्रयोगों को स्वीकार किया जा रहा है। पाकिस्तान को और जोड़ लें तो हिंदी या उर्दू बोलने-समझने वालों की संख्या बहुत बड़ी है। यह इस भाषा की ताकत है।

हिंदी का यह विस्तार उसे एक धरातल पर ऊपर ले गया है। यानी बोलने, संपर्क करने, बाजार से सामान या सेवा खरीदने, मनोरंजन करने की भाषा। विचार-दर्शन, ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति और साहित्यिक हिंदी का बाजार छोटा है। हिंदी-राष्ट्रवाद का भौगोलिक-आधार अब वही नहीं है, जो सौ साल पहले था। तब हिंदी का हृदय-क्षेत्र बनारस, इलाहाबाद, लखनऊ, आगरा व बरेली जैसे शहर थे।

आज हिंदी मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में बोली जा रही है और हैरत नहीं होगी कि अगले कुछ वर्षों में चेन्नई में भी सड़कों पर उसे बोलने-समझने वाले मिलें। इसकी वजह है वे प्रवासी कामगार, जो अपना घर छोड़कर इन दूरदराज इलाकों में जाते हैं। हिंदी-क्षेत्र के लोगों की भी कुछ जिम्मेदारियां बनती हैं। उन्होंने ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति और सामान्य ज्ञान के विषयों की जानकारी के लिए अधकचरी अंग्रेजी का पल्लू पकड़ लिया है। यह अधकचरी अंग्रेजी हालांकि पूरे देश पर हावी है, फिर भी अन्य भारतीय भाषाओं का पाठक, विचार-विमर्श के लिए अपनी भाषा से काफी हद तक जुड़ा है। आनन्द बाज़ार पत्रिका और मलयाला मनोरमा बंगाल व केरल के ज्यादातर घरों में जाते हैं। अंग्रेजी अखबारों के पाठक यों तो चंद महानगरों में केंद्रित हैं, पर मराठी, तमिल, बांग्ला और कन्नड़ परिवार में अंग्रेजी अखबार के साथ अपनी भाषा का अखबार भी आता है। हिंदी के शहरी पाठक का हिंदी अखबार के साथ वैसा जुड़ाव नहीं है। एक ज़माने तक हिंदी घरों में धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी, नन्दन और सारिका जैसी पत्रिकाएं जाती थीं। उनके सहारे पाठक अपने लेखकों से जुड़ा था। ये पत्रिकाएं बंद हो चुकी हैं। बांग्ला का 'देश' बंद नहीं हुआ, तमिल का 'आनंद विकटन' बंद नहीं हुआ। हिंदी मीडिया अंग्रेजी अनुवाद को पसंद करता है, हिंदी के मौलिक-लेखन को समर्थन देने से हिचकिचाता है। हिंदी क्षेत्र का शहरी पाठक अंग्रेजी अखबार लेता है रुतबे के लिए, ड्राइंग रूम में रखता है। मनोरंजन के बाद हिंदी राष्ट्र का एक और शगल है, राजनीति। लोकसभा में जब भी किसी अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होती है सबसे अच्छे भाषण हिंदी में होते हैं। राजनेता ज्यादा बड़े इलाके तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं। बौद्धिकता के लिहाज से अच्छे नहीं, भावनाओं में। लफ्फाजी में।

संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी देश की राजभाषा है, पर संवैधानिक व्यवस्था अनुसार ही अनंत काल तक अंग्रेजी देश की राजभाषा के रूप में काम करती रहेगी। हिंदी के जबर्दस्त उभार-प्रसार के बावजूद इस बात को रेखांकित किया जाना चाहिए कि केवल उसे राजभाषा बनाने के लिए एक ओर समूचे देश की स्वीकृति की ज़रूरत है, दूसरे उसे काबिल बनना होगा कि उसके मार्फत राजकाज चल सके।

सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट में अंग्रेजी का ही प्रयोग होता है। ज्यादातर बौद्धिक कर्म की भाषा अंग्रेजी है। हिंदी पुस्तकालय की भाषा नहीं। उसे समृद्ध बनाने का दायित्व भारत सरकार का है। संविधान का अनुच्छेद 351 यह बात कहता है, पर सरकार 14-21 सितंबर तक हिंदी सप्ताह मनाने के अलावा और क्या कर सकती है? शेष काम आपको करना होगा। संविधान हिंदी के विकास में ज़रूर सहायक होता बशर्ते हिंदी का समाज निजभाषा की इज्जत के बारे में सोचता।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

रीपा केन्द्रों में उत्पादित उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी को आम जनता ने सराहा

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विगत शिक्षक दिवस के अवसर पर संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय मर्रा पाटन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उक्त कार्यक्रम में जिले के रीपा केन्द्रों से निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसका अवलोकन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस दौरान 10 रीपा केन्द्रों से उत्पादित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसमें फुण्डा का कंप्रेस्ड ऑयल, कुर्मीगुण्डरा का मिलेट्स उत्पाद, सांकरा का हर्बल गुलाल, असोगा का पॉवरलूम कपड़े, अंजोरा का पेंट जार, कातरों का स्टेशनरी, ढाबा का गारमेंटस, दानिकोकड़ी का फ्लाई ऐश ब्रिक्स, पुरदा का बनाना चिप्स, मोहंदी का एलईडी बल्ब और ट्यूबलाईट उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसको आमजनता ने काफी सराहा। इस दौरान पुरदा के बनाना चिप्स की काफी बिक्री हुई।

रोजगार मेला में नियोक्ताओं द्वारा 120 युवाओं का चयन

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में विगत 12 सितंबर 2023 को, चंदुलाल चंद्राकार, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पाटन मे सृजन रोजगार अभियान के अंतर्गत रोजगार मेला का आयोजन किया गया। उक्त रोजगार मेला में 3 नियोक्ताओं द्वारा (एयरटेल पेमेंट बैंक, टेक महिन्द्रा, टेक्नोटास्क बिजनेस साल्यूशन) द्वारा 220 पदों हेतु साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया की गई। गौरतलब है कि यह रोजगार मेला ब्लॉक स्तर पर पाटन ब्लॉक में पहली बार जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया जिसमें युवाओं की भारी उत्साह देखा गया। एमजीएनएफ दुर्ग श्री राहूल ध्रुव द्वारा दिये गये जानकारी के अनुसार उक्त मेले में 600 फार्म वितरित किए गए। उक्त रोजगार मेले में जिला प्रशासन की ओर से श्री राहुल ध्रुव एवं प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय पाटन, श्रीमती शोभा श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार जैन एवं समस्त स्टाफ तथा रोजगार कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे ।

लक्ष्मीनगर वार्ड और सेक्टर 1 के वार्ड 53 और 54 के लोगों को लाखों के विकास कार्यों की सौगात

विधायक ने खोला विकास का पिटारा, सेक्टर में बनाएंगे स्मार्ट सड़क, बैडमिंटन ग्राउंड का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार प्रगति यात्रा कर रहे हैं। बारी-बारी से पैदल-पैदल भिलाईनगर विधानसभा क्षेत्र में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। जिसमें उनके साथ सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हो रहे है। इसी कड़ी में विधायक श्री यादव वार्ड 44 लक्ष्मीनारायण वार्ड और सेक्टर 1 के दोनों वार्डों वार्ड नंबर 53 और वार्ड नंबर 54 में प्रगति यात्रा निकाली। जहां वे पैदल चलते हुए क्षेत्र के एक-एक गली मोहल्ले से होकर गुजरे। एक-एक घर में गए।

लोगों से मिले। उनका हा?लचाल जाना और उनकी समस्याएं भी पूछी। लोगों से विकास कार्य को लेकर भी चर्चा की। इस दौरान वार्ड के नागरिकों और महिलाओं ने उनका पुष्प हार से भव्य स्वागत किया। इस दौरान वार्ड के दर्जन भर से स्कूल बच्चे विधायक के यात्रा में शामिल हुए। विधायक से मिले, उनके साथ फोटो खिंचाने की जिंद की। फिर सभी ने फोटो खिंचवाया। बच्चे विधायक के साथ काफी खुश थे। इसके बाद विधायक ने सभी को चॉकलेट बांटा।

इसके बाद बारी-बारी से वार्डवासियों ने उनकी आरती उतारी और तिलक लगाकर सम्मान किया। अपने घर में विधायक को देख कर लोग काफी खुश हुए। इस दौरान विधायक श्री यादव ने बड़े बुजुर्गों और माताओं का चरण छू कर प्रणाम किए और आशीर्वाद लिए। इस पूरे यात्रा के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने वार्डवासियों को कई सौगात भी दी है।

19.50 लाख के विकास कार्य की सौगात

वार्ड 44 में विधायक ने प्रगति यात्रा में कई सौगातें दी। 1.50 लाख की लागत से अमर धरम कांटा के पास चबूतरा निर्माण एवं शेड निर्माण का लोकार्पण किया गया।4 लाख की लागत से अतिरिक्त कक्ष निर्माण किया जाएगा। 2 लाख की लागत से नेपाली मोहल्ला में शि?व मंदिर समीप जीर्णोद्धार किया जाएगा। 3 लाख की लागत से साहानी मोहल्ला ?शनि मंदिर समीप मंच निर्माण किया जाएगा। 4 लाख की लागत से कैलाशधाम शिवमंदिर के समीप मंच निर्माण किया जाएगा। 5 लाख की लागत से सार्वजनिक मंच का निर्माण किया जाएगा।

सेक्टर 1 के लोगों को दी सौगातें

10 लाख की लागत से सड़क 3 में वार्ड 54 में स्पोर्टस एलईडी लाईटिंग सह एस्ट्रोटर्फ बैडमिंटन ग्राउंड निर्माण कार्य किया जाएगा।
10 लाख की लागत से वार्ड 54 में मानव आश्रूम के बाजू में डोमशेड निर्माण किया जाएगा। जिसका लोकार्पण किया गया।
2 लाख की लागत से वार्ड 54 में सड़क एवेन्यु सी एवं सड़क 23 में बोर खनन कार्य किया गया। जिसका लोकार्पण किया गया।
10 लाख की लागत से वार्ड 54 में सड़क 11 में पाथवे निर्माण किया जाएगा। जिसका लोकार्पण किया गया।
10 लाख की लागत से वार्ड 54 में सड़क 12 में फेसिंग एवं झूला लगाने का काम किया जाएगा। जिसका लोकार्पण किया गया।
10 लाख की लागत से एवेन्यु सी को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने का कार्य किया जाएगा। जिसका भूमिपूजन किया गया।
4 लाख की लागत से विवेकानंद उद्यान में मॉडल सियान सदन निर्माण किया जाएगा। जिसका भूमिपूजन किया गया।
11 लाख की लागत से सड़क 20-21 में मध्य नवीन मंच एवं सौदर्यीकरण किया जाएगा। जिसका भूमिपूजन किया गया।

बॉक्स

वार्ड 53 में यह विकास कार्य होंगे।
1 लाख की लागत से वार्ड 53 में विवेकानंद पार्क में वाटर कुलर लगाए जाएंगे। जिसका लोकार्पण किया गया।
16 लाख की लागत से सेक्टर 1 सड़क 35,36 के मध्यम डोमशेड निर्माण कार्य किया जाएगा। जिसका लोकार्पण किया गया।
6 लाख की लागत से वार्ड 53, 54 सेक्टर 1 में वाटर एटीएम लगाया जाएगा। सेक्टर 1 जनता कार्यालय के समीप और सड़क 35-36 उद्यान के पास लगाया जाएगा। जिसका भूमिपूजन किया गया।
10 लाख की लागत से वार्ड 53 में सी मार्केट में आरसीसी नाली बनाई जाएगी। 4 लाख 90 हजार की लागत से वार्ड 53 में सी मार्केट मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिसका भूमिपूजन किया गया।
14 लाख 37 हजार की लागत से वार्ड 53 में फायर ब्रिगेड एवं सड़क 26 गणेश मंच का विस्तारीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। जिसका भूमिपूजन किया गया।
8 लाख 22 हजार की लागत से वार्ड 53 में सड़क 31,32 के बीच मैदान में उद्यान निर्माण एवं सौदर्यीकरण किया जाएगा। जिसका भूमिपूजन किया गया।
2 लाख 44 हजार की लागत से सड़क 8 और 9 के बीच उद्यान में बोर खनन एवं पाइप लाइन विस्तारीकरण किया जाएगा।

रिसाली निगम के 32 वार्डो में 10 करोड़ से विकास कार्य आरंभ करने गृहमंत्री ने किया भूमिपूजन

महिला समूह द्वारा तैयार सामान अब हाट बाजार में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली । नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के 32 वार्डो में 10 करोड़ 17 लाख 82 हजार से विकास होगा। इस राशि से मंच निर्माण, मरोदा स्कूल में अतिरिक्त कक्ष, कल्वट, मार्ग चैड़ीकरण, पाथवे समेत नाली निर्माण किया जाएगा। बुधवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं लोकनिर्माण, गृह व कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने भूमिपूजन किया।

गृहमंत्री ने इस अवसर पर कहा वार्ड के नागरिकों की मांग अनुरूप कार्य स्वीकृत कराया गया है। रिसाली निगम क्षेत्र में अन्य नगरीय निकाय की तुलना में अधिक कार्य हुए है। यहां की तस्वीर बदल चुकी है। उनका प्रयास रहा है कि हर कार्य शीघ्र पूरा हो। यही वजह है कि जितने भी स्वीकृत कार्य है वे चुनाव से पहले पूर्ण करने भूमिपूजन कर रहे है।

मंत्री ने मरोदा शा. उच्च. माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण का भूमिपूजन करते 5 लाख से निर्मित महिला शौचालय का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, पीसीसी महामंत्री जितेन्द्र साहू, एमआईसी अनुप डे, चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविंद चतुर्वेदी, सनीर साहू, चंद्र प्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार, पार्षद सविता ढवस, टीकम साहू, सारिका साहू, ममता यादव, माया यादव, शीला नारखेड़े, संजू कुमार नेताम, जमुना ठाकुर, सरिता देवांगन, विनय नेताम, रेखा देवी, ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, जहीर अब्बास, मनीष यादव, अनिल कुमार, सुनंदा चंद्राकर, डॉ. सीमा साहू, विलास बोरकर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, डोमन लाल बारले एल्डरमेन संगीता सिंग, मो. निजाम, संध्या वर्मा, संतू दास, शिशिर साहू, अजीत कुमार, जी राहुल आदि उपस्थित थे।

सी मार्ट इन व्हील का लोकार्पण

वार्ड 29 लक्ष्मीनगर में गृहमंत्री ने सी मार्ट इन व्हील का लोकार्पण किया। मंत्री ने ऑटो को हरी झंडी दिखाने से पहले महिला स्व सहायता समूह द्वारा तैयार सामान की खरीदी की। उल्लेखनीय है कि अब रिसाली नगर निगम क्षेत्र की महिला समूह द्वारा तैयार सामानों को हाट बाजार के अलावा शहर के नुक्कड़ एवं वार्डो में बिक्री के लिए रखा जाएगा। साथ ही घर पहुंच सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मंत्री ने कचरा कलेक्शन करने वाहनों को किया रवाना

क्षेत्रीय विधायक दोपहर निगम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने निगम द्वारा 30 लाख की लागत से खरीदे लो बैक ट्राली और कचरा कलेक्शन वाहन 3 नग टिप्पर (टाटा एस) की पूजा अर्चना कर वार्डो के लिए रवाना किया। मंत्री ने अल्प समय में संसाधन जुटाने निगम की तारीफ की।

इन कार्यो का हुआ भूमिपूजन

वार्ड 01 में कल्वट निर्माण 9.98 लाख, अलग-अलग मार्ग का चैड़ीकरण 43.53 लाख, पाथवे निर्माण 16.76 लाख, यात्री प्रतिक्षालय निर्माण 4.85 लाख वार्ड 02 में रोड चैड़ीकरण 19.95 लाख, अलग-अलग जगह पर सामुदायिक भवन 40 लाख, गणेश मंच निर्माण 1 लाख, वार्ड 03 में रोड चैड़ीकरण 28.34 लाख, पाथवे निर्माण 8 लाख, सीसी रोड 2.50 लाख, वार्ड 04 रोड चैड़ीकरण 19.91 लाख, शेड निर्माण 4 लाख, वार्ड 06 पाथवे निर्माण 18.55। वार्ड 05 कल्वर्ट निर्माण 7.99 लाख, वार्ड 27 मार्डन टॉयलेट निर्माण 22.88 लाख, वार्ड 24 सामुदायिक भवन 14.29 लाख, रोड चैड़ीकरण 20 लाख, नाली निर्माण 6 लाख, पाथवे निर्माण 24.52 लाख, मार्डन टॉयलेट 22.88 लाख, वार्ड 23 डोम शेड निर्माण 10 लाख, वार्ड 26 अलग-अलग रोड चैड़ीकरण 38.1 लाख, पाथवे निर्माण 9.18 लाख, वार्ड 25 सांस्कृतिक भवन 20 लाख, नाली निर्माण 10 लाख, वार्ड 31 सामुदायिक भवन 10 लाख, रोड चैड़ीकरण 7.70 लाख, वार्ड 29 पुलिया निर्माण 5 लाख, सामुदायिक भवन 10 लाख, उद्यान निर्माण 2.50 लाख, पाथवे निर्माण 27 लाख, वार्ड 30 भवन निर्माण 10 लाख, रोड चैड़ीकरण 16.80 लाख, वार्ड 28 रोड चैड़ीकरण 5.60 लाख, रोड चैड़ीकरण 14.25 लाख, पाथवे निर्माण 12 लाख, सामुदायिक भवन 5 लाख, नाली निर्माण 4 लाख, नाली निर्माण 4 लाख, सीमेंटीकरण 3.50 लाख, पुलिया संधारण 10 लाख, बाथरूम एवं मंच निर्माण 8 लाख, वार्ड 7, सामुदायिक भवन 10 लाख, नाली आ.सी.सी कव्हर 7 लाख, सांस्कृतिक भवन 20 लाख, रोड चैड़ीकरण 17.22 लाख, रोड चैड़ीकरण 13.77 लाख, पाथवे निर्माण 19.95 लाख, वार्ड 8 पाथवे निर्माण 19 लाख, शेड एवं पेवर ब्लाक 5 लाख।

सी-मार्ट का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर जल्द शुभारंभ करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत में बनाये जा रहे सी मार्ट निर्माण कार्य का कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने निगमायुक्त लोकेश चन्द्राकर के साथ निरीक्षण कर लिया जायजा,सी मार्ट निर्माण कार्य अंतिम छोर की रूपरेखा देख जमकर तारीफ की।जीई मुख्य मार्ग गंजपारा पुरानी गंज पंडी के करीब गंज कम्प्लेक्स लोकेशन में विशाल सी-मार्ट खुलने जा रहा है। अब वन सहित सभी उत्पादों के बिक्री की समस्या नहीं रहेगी।सीमार्ट में ग्राहकों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आसानी से बाजार उपलब्ध हुई है। महिलाएं उन उत्पादों का निर्माण करें, जिसकी बाजार में ज्यादा मांग हो।नया उत्पाद बनाने के पहले उसकी बाजार में स्थिति कैसे होगी,सी मार्ट के जरिए महिलाओं को उत्पाद की बिक्री के लिए बाजार मिला है।शहर के 60 वार्डो के विभिन्न महिला समूहो द्वारा निर्मित क्षेत्रीय उत्पादों की ब्रिक्री करने के लिए जल्द से जल्द सर्वसुविधायुक्त बाजार उपलब्ध कराया जायगा। राज्य सरकार की महती छत्तीसगढ़ मार्ट योजना के अंतर्गत समूहों द्वारा निर्मित पारंपरिक उत्पादों को बेचने के लिए उचित वातावरण उपलब्ध करवाने यह योजना लाई गई है जो निर्माण के अंतिम चरण पर है।शीघ्र शहर वासियों को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वस्तुवों के लिए नया सी मार्ट शॉपिंग मॉल उपलब्ध होगा जिससे ना सिर्फ समूहों का आर्थिक लाभ होगा बल्कि आमजन भी एक ही स्थान पर लोकल उत्पाद प्राप्त कर सकेंगे। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,उपअभियंता हरिशंकर साहू के अलावा ठेकेदार सुरेश कोठारी, सिद्धार्थ कोठारी मौजूद रहें।

आजीविका मिशन के सीईओ- सीआरपी को मिला सम्मान डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने वाले वेंडर्स भी हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना अंतर्गत स्व रोजगार कार्यक्रम के अधीन अलग-अलग योजनाओं में लोन स्वीकृति हेतु कार्य करने वाले महिला सी.ई.ओ तथा सी.आर.पी को निगम क्षेत्र में उत्कृष्ट ऋण प्रकरणों के निपटान के लिए एचडीएफसी बैंक ने योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए निगम सभागार में सम्मानित किया गया।

महापौर नीरज पाल ने सी.ई.ओ तथा सी.आर.पी को सम्मानित करते हुए कहा कि आप लोग मैदानी क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्य का परिचय दिया है, जिसके लिए यह सम्मान प्राप्त कर रहे है। लेकिन इसके बाद आप लोग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, राज्य शासन के हितग्राही मूलक योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाकर शतप्रतिशत लाभ दिलाने से योजना की सार्थकता सिद्ध होगी ये जिम्मेदारी भी आपकी है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने कहा कि योजना के तहत भिलाई निगम क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडर्स को चिन्हित कर उनका वेंडर कार्ड बनाने और व्यवसाय को बढ़ावा देने पीएम स्व-निधि से हितग्राहियों को लाभान्वित करने में सीईओ - सीआरपी की अग्रणी भूमिका रही। योजना के बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए निगम के साथ बैंक को समन्वय बनाकर कार्य कर रहे है। इस योजना में सर्वे, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड बनाना या फिर जागरूकता कार्यक्रम सभी जगह आपके द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है, उन्होंने उत्कृष्ट कार्य के लिए सीओ-सीआरपी को सम्मानित करने वाले एचडीएफसी बैंक प्रतिनिधियों को धन्यवाद किया।

80 सीईओ-सीआरपी को मिला सम्मान

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में पीएम स्वनिधि की जानकारी देते हुए योजना के नोडल अधिकारी प्रीति सिंह ने बताया कि योजना के तहत लोन लेकर जो वेंडर व्यवसाय कर रहे है, और नियमित बैंक का किश्त जमा करने वाले, डिजिटल पेंमेंट को बढ़ावा देने वाले वेंडरो को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा इस वर्ष तीसरी किश्त के तहत 50 हजार रू लोन के लिए आवेदन करने वाले 14 हितग्राही वेंडर जिनका लोन बैंक से स्वीकृत हो गया है उनको आज लोन राशि का चेक भी प्रदान किया गया।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ कला अकादमी का नाचा महोत्सव शुरु

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ आदिवासी लोक कला अकादमी की ओर से 9 दिवसीय नाचा समारोह की शुरुआत बुधवार शाम हुई। मौसम के मिजाज को देखते हुए पहले दिन मुक्ताकाशी मंच के बजाए महंत घासीदास संग्रहालय परिसर के सभागार में शुरुआत हुई। जिसमें काशीराम साहू की काशीराम नाचा पार्टी रतनपुर की प्रस्तुति 'रिखीराम गौंटिया' का मंचन हुआ। इस नाचा प्रहसन ने मूल रूप से नशे से दूर रहने के साथ-साथ दौलत का घमंड नहीं करने का संदेश दिया। शुरुआत में छत्तीसगढ़ आदिवासी लोक कला अकादमी के अध्यक्ष नवल शुक्ल ने कलाकारों का स्वागत किया।

इस प्रहसन के कथानक के अनुसार मालगुजार रिखीराम गौंटिया को दौलत का घमंड है लेकिन संतान नहीं होने का दुख भी है। इधर स्कूल का एक शिक्षक नशे की हालत में अपनी पत्नी को पीट-पीट कर घर से भगा देता है। इस महिला को रिखीराम गौंटियां आत्महत्या करने से रोकता है और अपनी दौलत का प्रभाव दिखाते हुए शादी करने ले जाता है। इधर नशा उतरने के बाद शिक्षक अपनी पत्नी को खोजते हुए आता है। फिर रिखीराम, शिक्षक और उसकी पत्नी के बीच रोचक संवाद होता है। जिसमें महिला पर दोनों अधिकार जमाना चाहते हैं लेकिन महिला अपने शिक्षक पति के साथ जाती है और जाते-जाते दौलत का घमंड नहीं करने का संदेश देती है और अपने शिक्षक पति को नशा नहीं करने का संकल्प दिलाती है। इस संदेश परक प्रहसन में गंभीर कथानक के साथ-साथ हंसी-ठिठोली के कई मोड़ आए। जिससे दर्शक हंस-हंस कर लोटपोट हो गए। इस नाचा में रिखी राम गौंटिया-अनुज राम गंधर्व, पत्नी-संतराम गंधर्व, शिक्षक-अशोक गंधर्व, पत्नी-दीपक वैष्णव, तहसीलदार-अनिरुद्ध कश्यप, कोटवार-गजाधर सिंह राजपूत, अन्य महिला पात्र में मान सिंह मरकाम, सूरज श्याम व ग्रामीण-दिलीप कुमार धीवर बने। संगीत पक्ष में काशीराम साहू हारमोनियम गायन, तबला वादन लोवन सिंह ध्रुव, ढोलक गणेशीराम गंधर्व, बैंजो अनिश पाव व घनश्याम कौशिक का सहयोग रहा। 14 सितंबर गुरुवार को संत समाज नाच पार्टी सेमरिया लिटिया के अजय उमरे की प्रस्तुति होगी।

आदिवासी लोक कला अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद की ओर से मदन निषाद-लालू राम स्मृति व्याख्यान का आयोजन 14 सितंबर शाम 5:00 बजे से महंत घासीदास संग्रहालय परिसर रायपुर में रखा गया है। जिसमें 'नाट्य शास्त्र तथा भारतीय लोक नाट्य विषय पर संवाद होगा। जिसमें अतिथि वक्ता राधा वल्लभ त्रिपाठी होंगे और अध्यक्षता डॉक्टर सुशील त्रिवेदी करेंगे। अध्यक्ष नवल शुक्ल ने यह जानकारी दी।

चन्द्रहासिनी समूह की दीदियों द्वारा निर्मित इकोफ्रेंडली गणपति विराजेंगे इस बार घरों और पंडालों में

आकर्षक रंगों और आकार में 2 सौ रुपये से 4 हजार रुपये तक विक्रय हेतु उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य की महिला स्व सहायता समूहों ने अपने हुनर और मेहनत से एक नई पहचान बनाने में सफलता हासिल की है। चाहे एलईडी बल्ब का निर्माण हो, फेंसिंग तार जाली का निर्माण हो, फ्लाई ऐस ईंट या गोबर पेंट का निर्माण हो या खाद्य सामग्री का निर्माण हो, सब में उच्च गुणवत्ता और मानकों का ध्यान रखते हुए एक सफल उद्यमी के रूप में महिला स्व सहायता समूह अपना नाम दर्ज करा रहे हैं। हाल ही में रक्षाबंधन के अवसर पर महिला समूह ने कम कीमत पर आकर्षक राखियां बनाकर अपने हुनर से सबको परिचित कराया था।

इसी तारतम्य में अब जब गणेश चतुर्थी का त्यौहार आने वाला है तो ऐसे समय पर महासमुंद जिले में समूह की महिलाओं ने इसे एक अवसर के रूप में देखते हुए गणेश मूर्तियों का निर्माण किया है। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क गोड़बहाल से जुड़कर मां चन्द्रहसिनी महिला समूह की दीदियां विभिन्न आकार और रंगो की आकर्षक गणेश मूर्ति का निर्माण कर रही हैं। ये महिला समूह पहले माटी कला कार्य से जुड़कर कार्य कर रही थीं। अब रीपा योजना के पश्चात इन्हें ज्यादा संसाधन और अवसर मिला।

महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत गोडबहाल गौठान से जुड़ी रीपा

योजनांतर्गत चंद्रहासिनी स्व सहायता समूह की महिलाएं गणेश मूर्ति का निर्माण कर रही हैं। इस बार समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए गणपति घरों और जगह जगह पंडालों में विराजेंगे। समूह की अध्यक्ष नीरा निषाद ने बताया कि वे लगभग 500 गणेश मूर्तियों का निर्माण कर रही हैं। अभी पहली खेप बाजार में उतर गई है जिसे अच्छा प्रतिसाद मिला है। वह बताती है कि इस बार गणेश मूर्ति के बिकने से ही करीब 1 लाख रुपए आय होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि उनके पास विभिन्न आकार में 200 से लेकर 4000 रुपए तक का गणेश उपलब्ध है जो विभिन्न रंगों और आकर्षक तरीके से बनाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि रीपा योजना से जुड़ने के पहले सभी सदस्य खेतीहर मजदूरी व माटी कला से जुड़े कार्य करते थे। माटी कला कार्य के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं था तथा सतत आय का भी जरिया नहीं था। अब रीपा अंतर्गत अपनी रुचिकर और परंपरागत कार्य को करने में हमें खुशी के साथ साथ आत्मनिर्भरता का अनुभव होता है। उन्होंने बताया कि समूह में 10 महिलाएं हैं। रीपा योजना लागू होने के बाद चंद्रहासिनी स्व सहायता समूह द्वारा माटी कला का कार्य किया जा रहा है। बाजार व्यवस्था के रीपा एवं स्थानीय बाजार में माटीकला गतिविधि से प्रतिमाह लगभग 8 हजार रुपए की आमदनी हो जाती है। अब तक माटी कला कार्य से समूह को खर्च काटकर लगभग 3 लाख रुपए की आमदनी हो चुकी है। इस तरह समूह के सभी सदस्य गण माटी कला के कार्यों को अपना भविष्य मानकर राज्य शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने की कार्यवाही जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में प्रदेश की विभिन्न सड़कों पर पशुओं के सड़क पर आने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए जा रहे सघन अभियान की राज्य स्तरीय समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने जिलेवार सड़कों पर पशुओं को आने से रोकने के लिए की जा रही सघन कार्यवाही की जानकारी ली। पशुओं को सड़कों से ले जाकर गौठानों, कांजी हाउस एवं गौशालाओं सुरक्षित रखने के लिए समुचित व्यवस्था का भी समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों से सड़कों से पशुओं को रोकने के लिए विभिन्न स्तर पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की दिशा में की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को सड़कों से हटाये गये पशुओं की संख्या के संधारण तथा ऐसे ग्राम जहां से ज्यादातर पशु सड़कों पर आते है वहां के पशुपालकों को समझाईश देने एवं विभिन्न स्तर पर महत्वपूर्ण सुझाव लेने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने पुलिस अधिकारियों को सड़कों पर पशुजन्य दुर्घटनाओं पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए ऐसी दुर्घटनाओं की विस्तृत विवेचना करने के निर्देश दिए है। बैठक में गौशालाओं की स्थिति एवं नई गौशालाये खोलने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसी तरह से गौठानों में सूखा स्थान एवं सूखा पहुंच मार्गों की प्रगति और कांजी हाउस, गौठान में रखे पशुओं पशु मालिकों से जुर्माना, पशुओं की देखरेख एवं शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पर्याप्त काऊ केचर वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है। इसी तरह जिलेवार पशुओं के सड़कों पर आने से रोकने के लिए शिकायतों के निराकरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने राज्य के सभी कमिश्नरों से पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने के लिए लगातार निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। बैठक में कृषि विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के सचिव प्रसन्ना आर., संचालक पंचायत कार्तिकेय गोयल, संचालक पशु चिकित्सा सेवाये चंदन त्रिपाठी सहित संभागीय कमिश्नर, कलेक्टर, राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

एकलव्य विद्यालयों की राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के तत्वाधान में आयोजित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता आज सम्पन्न हुई। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग ओवरऑल चैम्पियन बना। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागी 3 से 6 अक्टूबर तक देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिता में शामिल होंगे। राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा रायपुर में और बौद्धिक प्रतियोगिता का आयोजन प्रयास आवासीय विद्यालय, सडडू रायपुर में हुआ।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग ने बाजी मारी। सरगुजा संभाग समूहगान, समूह नृत्य, चित्रकारी, रंगमंच में प्रथम रहने के साथ-साथ शिक्षक वर्ग की संगीत प्रतियोगिता-वोकल क्लासिक, वोकल सेमीक्लासिक एवं लोकगीत में भी प्रथम स्थान पर रहा। दूसरे स्थान पर मध्यक्षेत्र एवं तीसरे स्थान पर बस्तर संभाग रहा। साहित्यिक प्रतियोगिता में बिलासपुर मध्यक्षेत्र अधिकतर

साहित्यिक विधाओं में प्रथम रहा, जबकि सरगुजा संभाग ने दूसरा और बस्तर संभाग ने तीसरे स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति मंत्री मोहन मरकाम, सचिव डीडी सिंह और आयुक्त शम्मी आबिदी ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में समूह गान, समूह नृत्य, जनजातीय वाद्ययंत्र बजाना, अर्द्धशास्त्रीय एकल गीत, चित्रकारी, रंगमंच एवं शिक्षकों का संगीत कार्यक्रम हुआ। साहित्यिक प्रतियोगिता में भाषण, एक्सटेम्पोर, वाद-विवाद, कहानी सुनाना, रचनात्मक लेखन, संस्कृत श्लोक, हिन्दी काव्य पाठ, अंग्रेजी कविता, अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी, अंग्रेजी स्पेल बी जैसी कुल 10 साहित्यिक विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की गई।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता के अंतर्गत समूह गान में सहनपुर, सरगुजा प्रथम, बालोद द्वितीय एवं ओरछा नारायणपुर तीसरे स्थान पर रहा। समूह नृत्य में प्रेमनगर सूरजपुर प्रथम, करपावण्ड बस्तर द्वितीय और गरियाबंद तीसरे स्थान पर रहा। जनजातीय वाद्ययंत्र प्रतियोगिता में धमतरी प्रथम, करपावण्ड बस्तर द्वितीय और पेटला तीसरे स्थान पर रहा। एकलगीत प्रतियोगिता में गरियाबंद प्रथम, छेरीबेड़ा बस्तर द्वितीय एवं सहनपुर तीसरे स्थान पर रहा। चित्रकला प्रतियोगिता में शिवपुर प्रथम, कोरबा द्वितीय एवं गोलावण्ड बस्तर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। रंगमंच प्रतियोगिता में बलरामपुर प्रथम, मुगेली द्वितीय एवं करपावण्ड, बस्तर तीसरे स्थान पर रहा।

इसके अलावा एकलव्य विद्यालय के शिक्षकों हेतु संगीत वर्ग में प्रतियोगिता आयोजित थी। इसमें वोकल क्लासिक संगीत में मैनपाट सरगुजा प्रथम, वोकल सेमीक्लासिक संगीत में ओड़गी सरगुजा प्रथम एवं गरियाबंद दूसरे स्थान पर रहे। लोकगीत में सूरजपुर सरगुजा प्रथम और वाद्ययंत्र संगीत में रायगढ़ प्रथम एवं सूरजपुर सरगुजा दूसरे स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

साहित्यिक प्रतियोगिता के परिणाम

एक्सटेम्पोर विधा के हिन्दी सीनियर वर्ग में सरगुजा से तपेश्वर साय, अंग्रेजी सीनियर वर्ग में मध्यक्षेत्र से ईशिका, वाद-विवाद सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता में मध्यक्षेत्र से जयप्रकाश सिदार और अंग्रेजी सीनियर वर्ग में बस्तर से तेजेश्वरी मांझी विजेता रहीं। कहानी सुनाने की प्रतियोगिता में सरगुजा से हिन्दी में अदिति भगत और अंग्रेजी में आश्रित तिर्की प्रथम रहीं। रचनात्मक लेखन हिन्दी की प्रतियोगिता में मध्यक्षेत्र से राघवेन्द्र और अंग्रेजी में बस्तर से राखी मडकम प्रथम रहे। संस्कृत श्लोक की प्रतियोगिता में बस्तर की प्राची मेरिया, हिन्दी काव्य पाठ में सरगुजा की एनजीलियन तिर्की, अंग्रेजी कविता में सरगुजा की दीपिका, अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी में मध्यक्षेत्र की अनिला एवं शशिकला, स्पेल बी में मध्यक्षेत्र की स्मिता कंवर और आंचल पुलस्त ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हड़ताल समाप्ति के बाद छत्तीसगढ़ हेल्थ फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हेल्थ फेडरेशन द्वारा 21 अगस्त से जारी प्रांतव्यापी हड़ताल की समाप्ति के बाद उनके प्रतिनिधिमंडल ने आज देर शाम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की।

छत्तीसगढ़ हेल्थ फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान अवगत कराया कि राज्य में मुख्यमंत्री बघेल द्वारा कर्मचारी हित में लिए जा रहे निरंतर फैसलों और जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए फेडरेशन द्वारा जारी हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी विभिन्न मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ हेल्थ फेडरेशन के पदाधिकारी टारजन गुप्ता, डॉ. इकबाल, डॉ. रीना राजपूत, सुमन शर्मा, अंशिला बेस, डॉ. हीरासिंग लोधी, भूपेन्द्र सोनी, देवाश्री साव शामिल थीं।

मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना से 1.46 लाख बच्चे लाभान्वित

कुपोषित बच्चों को मिली नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दवाएं और बाल रोग विशेषज्ञों से परामर्श सुविधा

रायपुर। गंभीर कुपोषित बच्चों को कुपोषण के चक्र से बाहर लाकर प्रदेश में कुपोषण की दर में कमी लाने के लिए मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत वर्ष 22-23 में लगभग 1 लाख 46 हजार बच्चों को लाभान्वित किया गया है।

योजना के तहत गंभीर कुपोषित एवं संकटग्रस्त बच्चों को चिकित्सकीय परीक्षण की सुविधा, चिकित्सक द्वारा लिखी गई दवाएं तथा आवश्यकतानुसार बाल रोग विशेषज्ञों से परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यह सुविधा प्रत्येक विकासखंड में माह में 2 दिवस संदर्भ दिवस के रूप में चिन्हांकित कर प्रदान की जाती है। चिकित्सकीय परीक्षण में बच्चों के संक्रमण की पहचान की जाती है। इसके अतिरिक्त योजना में निजी चिकित्सा परीक्षण संस्थान में अधिकतम 300 रूपये तक स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी गई है।

योजना के तहत 'एक हितग्राही को वर्ष भर में अधिकतम 500 रुपये तक की दवाएं तथा आवश्यकता होने पर चिकित्सा अधिकारी के परामर्श से इससे अधिक राशि की दवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। निजी शिशु रोग विशेषज्ञ की सेवा पर सम्मान स्वरूप 1000 रूपये का मानदेय एवं 500 रुपये तक यात्रा व्यय देने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त कुपोषित बच्चों के परिवहन के लिए भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राशि उपलब्ध कराई जाती है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हिंदी दिवसः बॉलीवुड की इन फिल्मों मे पढ़ाया गया हिंदी का पाठ

हर साल हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है। हिंदी भारत के मन का संगीत है और करोड़ों भारतीयों की मातृभाषा है। बॉलीवुड फिल्मों के जरिए भी इसका महत्व बताने की कोशिश की जा चुकी है। आज भले ही हिंदी फिल्मों में अंग्रेजी का इस्तेमाल खूब हो रहा हो, लेकिन कुछ ऐसी फिल्में हैं, जिनमें हमारी मातृभाषा के प्रति खूब सम्मान देखने को मिला और उन पर दर्शकों ने भी जमकर प्यार लुटाया। एक नजर उन्हीं फिल्मों पर।

चुपके चुपकेः- शुरुआत करते हैं 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'चुपके चुपके' से, जिसमें धर्मेंद्र, शर्मिला टैगोर, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन अहम भूमिका में थीं। फिल्म में कॉमेडी का जबरदस्त तड़का लगाया गया। खासकर धर्मेंद्र और अमिताभ की कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जिस तरह से धर्मेंद्र ने डॉ. परिमल त्रिपाठी बनकर हिंदी बोली, वो देखना वाकई एक शानदार अनुभव है। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर है।

गोलमालः- रोहित शेट्टी की 'गोलमाल' सीरीज तो आपने देखी होगी, लेकिन क्या 1979 में आई फिल्म 'गोलमाल' देखी। फिल्म में यह दिखाया गया कि एक दफ्तर का मालिक उसी व्यक्ति को नौकरी पर रखता है, जिसकी हिंदी भाषा पर पकड़ मजबूत हो। अमोल पालेकर की इस मजेदार कॉमेडी फिल्म का रीमेक तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में भी बनाया गया। फिल्म में बड़े ही रोचक अंदाज में हिंदी का महत्व समझाया गया। यह फिल्म MX प्लेयर पर देखी जा सकती है।

इंग्लिश विंग्लिशः- दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। 'इंग्लिश विंग्लिश' उन्हीं में से एक थी, जिसे न सिर्फ देश, बल्कि दुनियाभर में सराहना मिली। यह शशि नाम की एक महिला की कहानी है, जो अंग्रेजी भाषा में खुद को व्यक्त नहीं कर पाती। इसके चलते उसका खूब मजाक भी बनाया जाता है। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी इस फिल्म को आप जी5 और अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

हिंदी मीडियमः- दिवंगत अभिनेता इरफान खान अभिनीत इस फिल्म के नाम से ही जाहिर है कि इसकी कहानी हिंदी के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें इरफान ने एक कपड़े व्यापारी की भूमिका निभाई, जो अमीर तो है, लेकिन उसे अंग्रेजी नहीं आती। फिल्म में इरफान के साथ लोकप्रिय पाकिस्तानी अभिनेत्री सबा कमर नजर आई थीं। साकेत चौधरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब सराहा। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर देखी जा सकती है।

कमर दर्द की समस्या से हमेशा रहते हैं परेशान तो अपने आहार में जरूर शामिल करें ये 6 चीजें

कमर में दर्द होना आजकल एक आम समस्या हो चली है। इन दिनों ज्यादातर लोग पीठ दर्द की समस्या का सामना कर रहे हैं। ऑफिस में घंटों-घंटों बैठकर काम करने और गलत पोजिशन में बैठने की वजह से लोगों में यह दिक्कत बढ़ रही है। इसके अलावा, अनहेल्दी खानपान और शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी इसकी कुछ वजहें हैं। कमर दर्द से राहत पाने के लिए एक्सपर्ट हमेशा एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। क्योंकि इससे न सिर्फ मसल्स को आराम मिलेगा, बल्कि शरीर के विभिन्न हिस्सों में होने वाले दर्द से भी राहत मिलेगी।

एक्सरसाइज के अलावा, आपको अपने खानपान पर भी खास ध्यान देना होगा और भोजन में उन पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को शामिल करना होगा, जो दर्द से राहत प्रदान कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको खाने से आपको दर्द से राहत मिल सकती है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड

अगर आपको अक्सर कमर में दर्द की परेशानी रहती है तो आपको ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर भोजन का सेवन करना चाहिए। आपको बादाम, अखरोट, चिया बीज, अलसी के बीज और मछली का सेवन करना चाहिए। क्योंकि इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड अच्छी खासी मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा, आप खाना बनाने के लिए सरसों के तेल और जैतून के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको दर्द से राहत मिल सकती है।

एंटी इंफ्लेमेटरी फूड

दर्द को कम करने में एंटी इंफ्लेमेटरी फूड भी आपकी काफी मदद कर सकते हैं। आपको अपने किचन में ही ऐसे कई मसाले मिल जाएंगे जिनमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जैसे- दालचीनी, लाल मिर्च और अदरक आदि। इसके अलावा, हल्दी भी एक ऐसा मसाला है, जो जोड़ों के दर्द को कम करने में सहायक हो सकता है।

प्रोटीन फूड

शरीर में प्रोटीन की कमी की वजह से कई बार दर्द की समस्या पैदा हो जाती है। इसलिए अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर भोजन (अंडे, दूध, दाल आदि) को शामिल करें।

हरी सब्जियां

दर्द से राहत पाने के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन भी कर सकते हैं, जैसे- फूलगोभी, ब्रोकोली, पालक और पत्तागोभी आदि। इनमें विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के भी कुछ मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा, एक सल्फोराफेन नाम का कंपाउंड भी पाया जाता है, जो दर्द से राहत दिलाने का काम करता है।

जड़ वाली सब्जियां

आप दर्द से राहत पाने के लिए जड़ वाली सब्जियों का सेवन भी कर सकते हैं, जिनमें चुकंदर, गाजर और कद्दू आदि शामिल हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है, जो दर्द से राहत दिलाने का काम कर सकता है।

ताजे फल

दर्द से राहत पाने के साथ-साथ संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आपको रोजाना ताजे फलों का भी सेवन करना चाहिए। अपनी डाइट में अनानास, सेब, चेरी, जामुन, खट्टे फल और अंगूर आदि को शामिल कर सकते हैं।

क्या बिना मोबाइल के आप भी नहीं खाते खाना संभल जाइए, वर्ना जकड़ सकती हैं गंभीर बीमारियां

आज फोन ने इस कदर हमारी जिंदगी में दखल देना शुरू कर दिया है कि खाते-पीते, उठते-बैठते हर समय हमारा ध्यान फोन की तरफ ही रहता है। सुबह का ब्रेकफास्ट हो या दोपहर का लंच या फिर रात का डिनर कई लोगों की आदत होती है कि वे इस समय भी फोन चलाते रहते हैं। इसकी वजह से वे घंटों-घंटों तक खाना ही खाते रहते हैं। अगर आप भी ऐसा ही कर रहे हैं तो संभल जाइए, क्योंकि ये सेहत के लिए बहुत ही ज्यादा खतरनाक है। ऐसा करना खुद बीमारियों को बुलाने जैसा है। बच्चों में भी ये आदत देखने को मिलती है। पैरेंट्स उनकी जिद के आगे झुक तो जाते हैं लेकिन वे शायद नहीं जानते कि ऐसा करना उनके बच्चे के लिए कतई सही नहीं है। खाना खाते समय स्मार्टफोन के इस्तेमाल से तीन बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है। आइए जानते हैं।

खाना खाते समय फोन चलाने से इन बीमारियों का खतरा

डायबिटीज

ऐसे लोग जो खाना खाते समय मोबाइल फोन या टीवी देखते हैं, उन्हें डायबिटीज का खतरा हो सकता है। दरअसल, खाना खाने के दौरान फोन चलाने से खाना सही तरह से प्रॉसेस नहीं हो पाता है। इस वजह से वजन बढने लगता है। ऐसे में मेटाबॉलिज्म स्लो होने से डायबिटीज का खतरा कई गुना तक ज्यादा बढ़ जाता है।

मोटापा

जब खाना खाते समय आप फोन चलाते हैं तब आपका पूरा ध्यान फोन पर ही लगा रहता है। इसकी वजह से आप अपनी भूख से ज्यादा खाना खा लेते हैं। ऐसे में ओवरइटिंग से मोटापे की समस्या बढ़ सकती है। मोटापा बढने से कई बीमारियां शरीर को घेर सकती हैं। इसलिए खाना खाते समय भूलकर भी फोन न इस्तेमाल करें।

पाचनतंत्र बिगड़ना

खाना खाते समय सारा ध्यान फोन चलाने में ही लगा रहता है। ऐसे में फोकस खाने पर कम और मोबाइल पर ज्यादा होता है। इसकी वजह से खाना ठीक से नहीं चबाते हैं और सीधे निगल जाते हैं। इसकी वजह से खाना पच नहीं पाता है और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इस वजह से पेट में दर्द और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

बहुत तेजी से वजन कम करना चाहते हैं तो इन खतरों को भी जान लीजिए, सेहत पर बहुत खतरनाक हो सकते हैं इसके दुष्प्रभाव

आज के जमाने से वेट लॉस सबसे पॉपुलर शब्द बन गया है। फिट रहने और बैली फैट से छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर वेट लॉस के नए नए तरीके खोजते रहते हैं। तरह तरह की डाइट, जिमिंग और एक्सरसाइज के जरिए लोग तेजी से वजन कम करके स्लिम दिखना चाहते हैं। हालांकि वजन कम करना अच्छी बात है लेकिन तेजी से वजन करना आपकी सेहत के लिए ही नुकसानदेय साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि हर कोई चाहता है कि चंद दिनों में ही वजन कम हो जाए, बाजार में भी तेजी से वजन कम करने के दावे करने वाले बहुत सारे प्रोडक्ट हैं। लेकिन ये फायदे की बजाय नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। चलिए जानते हैं कि तेजी से वजन कम करने पर आपकी हेल्थ पर क्या असर हो सकता है और साथ ही ये भी जानिए कि वजन कम करने का सही फार्मूला क्या है।

तेजी से वजन कम करने के होते हैं ये नुकसान

तेजी से वजन कम करने की जद्दोजहद में लोग खाना पीना तक छोड़ देते हैं। जब लोग तेजी से वजन कम करने का कोशिश करते हैं तो पोषण की कमी के चलते शरीर में पानी की कमी बहुत तेजी से होती है। पानी की कमी ज्यादा होने पर मांसपेशियों को नुकसान पहुंचता है और आप जल्द ही बीमार पड़ सकते हैं। इसके अलावा तेजी से वजन कम करने पर मेटाबॉलिज्म पर भी बुरा असर पड़ता है। दरअसल रोज भोजन करने और पचाने की दर का मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है। अगर तेजी से वजन कम करने के चक्कर में आप कम कैलोरी वाला खाना खाएंगे तो मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाएगा और आपके हार्मोन्स पर भी बुरा असर पड़ेगा। तेजी से वजन कम करने का तीसरा बुरा असर पथरी के रूप में होता है। इससे पित्ताशय में पथरी होने का खतरा बढ़ सकता है।

वजन कम करने का क्या है सही तरीका

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि तेजी से वजन कम करने की बजाय एक सही गति या फिर धीमी गति से वजन कम करना शरीर के लिए फायदेमंद साबित होता है। एक हफ्ते में 400 ग्राम से एक किलो वजन घटाना काफी होता है। यानी आपकी डाइट, एक्सरसाइज और वेट लॉस के अन्य प्रयास इस तरह होने चाहिए कि एक सप्ताह में आप 400 ग्राम से एक किलो वजन घटा सकें। इससे ज्यादा वजन घटाने की कोशिशें आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है।

बुखार आने पर नहाना चाहिए या नहीं, ज्यादातर लोग नहीं जानते हकीकत, जानें क्या करें

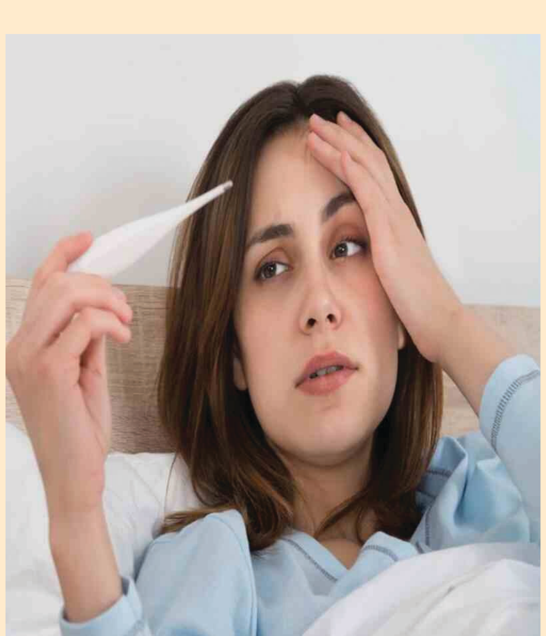

बुखार आने पर अक्सर लोग नहाना बंद कर देते हैं। ज्यादातर लोग बुखार में नहाने को नुकसानदायक मानते हैं। उनका का मानना है कि इससे तबीयत और भी ज्यादा बिगड़ सकती है। वहीं कुछ लोग फीवर आने पर भी नहाना पसंद करते हैं। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं बुखान में नहाना चाहिए या नहीं। आइए जानते हैं डॉक्टर इसको लेकर क्या सलाह देते हैं।

बुखार में नहाना चाहिए या नहीं

डॉक्टर के मुताबिक, बुखार में नहाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। बुखार आने पर बॉडी टेंपरेचर बढ़ जाता है। बॉडी में दर्द भी शुरू होता है, कमजोरी आ जाती है। ऐसे में कुछ लोगों का मन नहाने को नहीं करता है। ऐसी सिचुएशन में गुनगुने पानी से नहाना फायदेमंद हो सकता है। नहाने से फीवर का असर कम हो सकता है। इससे मसल्स रिलैक्स रहता है। हल्के गर्म पानी से नहाते हैं तो शरीर दर्द से छुटकारा मिल सकता है। हालांकि, अगर बुखार ज्यादा रहे तो अधिक ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए।

वायरल फीवर में नहाने में क्या करें

■ बुखार आने पर ज्यादा गर्म या ठंडे पानी की बजाय गुनगुने पानी से नहाना चाहिए। इससे शरीर रिलैक्स होता है, दर्द दूर होता है।

■ बुखार में नहाने जा रहे हैं तो कुछ ही समय के लिए नहाएं। लंबे समय तक पानी में रहने से परेशानी बढ़ सकती है।

■ माइल्ड साबुन और पानी से शरीर को धीरे-धीरे साफ करें। पसीना जमने वाली जगह को अच्छी तरह साफ करें ताकि बैक्टीरिया या फंगल इंफेक्शन न होने पाए।

वायरल फीवर नहाने समय क्या न करें

■ बुखार में ठंडे पानी से न नहाएं। इससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ने का खतरा रहता है, जो कंपकपी पैदा कर शरीर की एनर्जी खत्म कर सकती है।

■ ज्यादा देर तक नहाने से बचें।

■ अधिक गर्म पानी से नहाने से रक्त वाहिकाएं ज्यादा फैल सकती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर नीचे आ सकता है और चक्कर या बेहोशी हो सकती है।

■ ज्यादा रगड़-रगड़ कर नहाने से बचें। इससे शरीर अधिक उत्तेजित हो सकता है, जिससे थकान बढ़ सकती है।

■ बुखार में नहाने का मन नहीं है तो नॉर्मल पानी में तौलिया भिगोकर शरीर को धीरे-धीरे साफ कर लें। इससे बुखार से राहत मिल सकती है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बीएसपी द्वारा कौशल विकास योजना के अंतर्गत आयोजित सिलाई प्रशिक्षण का समापन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग, अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के विभिन्न गतिविधियों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए जाना जाता है, जिनमें से एक नारी सशक्तिकरण भी है। इसी क्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर द्वारा, कौशल विकास योजना के अंतर्गत, आसपास की ग्रामीण महिलाओं को वर्ष 2023-24 में विभिन्न प्रकार के कौशल विकास पर रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण दिया गया। जिसका समापन समारोह 13 सितम्बर 2023 को संयंत्र के सीएसआर विभाग में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, महाप्रबंधक ए अयाज़ थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ए अयाज़ ने कहा कि महिलाएं समाज निर्धारक कड़ी होती हैं। उनका समाज में अतुलनीय योगदान होता है। उन्होंने वहां उपस्थित प्रशिक्षित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को इस प्रशिक्षण को आगे चलकर रोजगार के लिए उपयोग में लाना है, अपने कौशल से अपने परिवार और समाज को अपनी सक्रिय भागीदारी से मजबूती प्रदान करना है। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि यदि ये सभी प्रशिक्षित महिलायें एक समिति का निर्माण कर लेती हैं तो छतीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास बोर्ड उन्हें कपड़ों की सिलाई आदि का काम दिलाने में पूर्ण सहयोग करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसआर के महाप्रबंधक शिवराजन नायर द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के तौर पर भिलाई महिला समाज की महासचिव साधना गोयल तथा सहसचिव सोनाली रथ उपस्थित रहीं। इसके अलावा वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार कामड़े, सहायक प्रबंधक के के वर्मा, विकास सहायक रजनी रजक सहित प्रशिक्षिका परविंदर कौर भी उपस्थित थीं।

महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बना मिल का पत्थर

कवर्धा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक गतिशील बनाने एवं ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के नए साधनों से जोड़कर उद्यमी बनने का सपना महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में देखा गया था, जो आज धरातल पर यथार्थ में तब्दील हो रहा है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे सामग्रियों से व्यापार करने का केंद्र बन गया है रीपा। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना अपने स्थापना के बहुत ही अल्प समय में ही ग्रामीणों को उद्यमी बनने सफल रही है। रीपा केंदो में खाद्य सामग्रियों के निर्माण से लेकर दैनिक उपयोग की चीजों का निर्माण पैकेजिंग, मार्केटिंग ग्रामीण महिलाएं बड़ी कुशलता से कर रही है। जिसकी बानगी है ग्राम मजगांव जनपद पंचायत कवर्धा एवं कापादाह जनपद पंचायत पंडरिया में स्थापित महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क रीपा में निर्मित पेपर कप। ग्राम मझगांव में सुहाना महिला स्व सहायता समूह द्वारा 2 लाख रूपए से अधिक का पेपर कप विक्रय किया गया है। समूह द्वारा 20 हजार से अधिक पैकेट का निर्माण किया गया और इसके निर्माण से लेकर पैकेजिंग मार्केटिंग का काम करते हुए समूह ने 2 लाख रुपए से अधिक की आमदनी अर्जित कर ली। महज चार महीने के अल्प अवधि में समूह द्वारा यह कार्य किया गया है। स्थानीय बाजार सी-मार्ट में समूह द्वारा निर्मित पेपर कप विक्रय के लिए उपलब्ध है साथ ही कवर्धा शहर एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में पेपर कप की मांग बहुत है क्योंकि लोगों को यहा सामग्री अच्छी क्वालिटी एवं कलर के साथ कम दर पर मिल रहा है।

जल प्रबंधन विभाग में नई चेतना कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। बीएसपी के जल प्रबंधन विभाग के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, मरोदा में 12 सितम्बर 2023 को महाप्रबंधक उत्पल दत्ता के मुख्य आतिथ्य में नई चेतना कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में महिला ठेका श्रमिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि कार्मिक विभाग द्वारा महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न आदि से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यशाला के माध्यम से आप अपनी समस्याओं एवं परेशानियों को रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी इस कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाये। कार्यशाला में महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। नई चेतना कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की कंसल्टेंट सुश्री शुभश्री प्रशांत ने महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, खान-पान, खून की कमी, मौसमी बीमारियों से बचने के उपाय एवं कार्यस्थल में यौन उत्पीडन से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की। राजेश मौर्या ने महिला श्रमिकों को मिलने वाले न्यूनतम वेतन, बोनस, पीएफ़, ईएसआईसी एवं भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए चलाये जा रहे छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी। विभागीय सुरक्षा अधिकारी व सहायक महाप्रबंधक (जल प्रबंधन विभाग) आर जेड खान ने सुरक्षा से संबंधित पहलुओं पर अपने विचार रखते हुए क्लोरिन गैस से सम्बन्धित खतरों एवं गैस से बचाव पर जानकारी प्रदान की।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आयुष्मान भव अभियान का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने वर्चुअली जुड़कर राज्य स्तर पर की अभियान की शुरुआत

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयुष्मान आपके द्वार, आयुष्मान मेलों और आयुष्मान सभाओं का होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गांधीनगर से 'आयुष्मान भव' अभियान का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने अंबिकापुर से शुभांरभ कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़कर राज्य में इस अभियान की शुरुआत की। देश के हर गांव और शहर तक स्वास्थ्य सेवाओं की अधिकतम कवरेज प्रदान करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। आयुष्मान भव अभियान के अंतर्गत आगामी 17 सितम्बर से आयुष्मान आपके द्वार 3.0 के तहत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया जाएगा।

आयुष्मान मेलों के रूप में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में साप्ताहिक स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाएगा। रक्तदान शिविरों का आयोजन कर स्वैच्छिक रक्तदान से जुड़ी जानकारी प्रदान की जाएगी।

लोगों को स्वैच्छिक अंगदान के लिए जानकारी देने के साथ ही इसके लिए प्रतिज्ञा भी करवाई जाएगी। अभियान के तहत 2 अक्टूबर से ग्राम एवं वार्ड स्तर पर आयुष्मान सभा आयोजित कर स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने राज्य में 'आयुष्मान भव' योजना का शुभारंभ करते हुए सभी स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं व कार्यक्रमों के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर इनसे जोड़ने को कहा। श्री सिंहदेव ने कार्यक्रम में हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। उन्होंने टीबी के मरीजों को गोद लेने वाले निक्षय मित्रों को सम्मानित भी किया। श्री सिंहदेव ने खुद दस मरीजों को गोद लिया है।

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निक्षय मित्र योजना के तहत कोई भी व्यक्ति, स्वयं-सेवी संस्था, संगठन, औद्योगिक इकाई या राजनीतिक दल टीबी मरीज को पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए गोद ले सकता है। टीबी के इलाज में पोषक आहार काफी महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में टीबी के मरीजों को पोषण आहार टोकरी प्रदान किया। सरगुजा के कलेक्टर कुंदन कुमार, सरगुजा जिला पंचायत के उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एन. गुप्ता के साथ स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर 150 ग्रामीणों ने थामा कांग्रेस का हाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा विधायक ताम्रध्वज साहू की कार्यशैली व कांग्रेस की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर ग्रामीण अंचल की सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने जनपद सदस्य दीपिका चंद्रकार एवम् ब्लॉक महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष पुनम साहू के नेतृत्व में कांग्रेस प्रवेश किया। बुधवार को विधायक कार्यालय दुर्ग में ग्राम पंचायत चंदखुरी, रूदा, कुथरेल, धनोरा, खम्हरिया, डुंडेरा और मरोदा महिला और पुरूष लगभग 150 से अधिक महिलाओं ने विधायक ताम्रध्वज साहू की कार्यशैली से खुश होकर कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल केशव बंटी हरमुख,जनपद अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ दुर्ग रिवेंद्र यादव, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा साहू, कृषि सभापति राकेश हिरवानी, विधायक प्रतिनिधी डा पिलेश्वर साहू, जनपद सदस्य रूपेश देशमुख, मनोज चंद्राकार, प्रभारी राजीव युवा मितान अशोक शर्मा उपस्थित थे।

इस अवसर मंत्री साहू ने सभी को पुष्प गुच्छ और कांग्रेस का गमछा भेंट कर स्वागत किया और सभी को मिठाई खिलाकर सभी का मुहं मीठा कराया। मंत्री साहू ने कहा कि आप सभी का कांग्रेस परिवार में स्वागत है, आप सभी के जुडने से कांग्रेस पार्टी की सामाजिक शक्ति बढ़ेगी एवं छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने हेतु आप सबके नए विचार कांग्रेस पार्टी को नई मज़बूती प्रदान करेगी।

आज कांग्रेस में शामिल होने वाली महिलाएं क्रमश: ग्राम रुदा से कीर्ति साहू, लाकेश साहू, गोमती साहू, भुनेश्वरी साहू, रूखमणी साहू, जितेशवरी साहू, गोदावरी साहू ग्राम खम्हरिया से भारती साहू, मनभा साहू, ममता देवदास,उमा बाई साहू, रेमुन बाई साहू, ग्राम धनोरा से सखीना साहू, पार्वती साहू, दिव्या साहू, धनेश्वरी पटेल, दुलसिया सूरज बाई, अनुसुइया, महेंतरीन बाई, मरोदा से सरोज साहू, झरना साहू, गंगा ठाकुर, दुलसिया ठाकुर,ग्राम कुथरेल पुष्पा साहू,पदमा साहू, टिकेश्वरी साहू, लक्ष्मी चंद्राकार, इंदिरा साहू, अबिंका साहू आदि है।

आयुष्मान भव: अभियान का हुआ शुभारम्भ

निक्षय मित्र को मिला सम्मान, आयुष्मान कार्ड का हुआ वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और हर गांव में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं करने के लिए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भव: अभियान की योजना बनाई गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य श्री टी.एस. सिंहदेव ने अम्बिकापुर से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिये प्रदेश में आयुष्मान भव: अभियान का विधिवित शुभारम्भ किया। कबीरधाम जिले से कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े।

साथ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.महेश सुर्यवंशी, डीपीएम सृष्टि शर्मा, मुकुंद राव, रीना सलूजा, असलम खान, बालाराम साहू रेडक्रास, आनंद महंत, निलेश टान्डेकर, गौरव सोनी, सहित हितग्र्राही उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में उप मुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुआ है। स्वास्थ्य अधोसंरचना सहित डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना, हमर लैब, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई दीदी क्लीनिक योजना, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिल स्टोर योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान जैसी योजनाएं संचालित होने से दूरस्थ अंचल में रहने वाले लोगों को काफी लाभ मिला है। 'आयुष्मान भव' एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका मकसद देश के हर गांव और कस्बे तक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक पहुंच प्रदान करना है। 'आयुष्मान भारत' अभियान के तहत आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयुष्मान योजना से जुड़े सभी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों पर आयुष्मान शिविर लगाया जाएगा। इसमें जरूरतमंद लोगों का मुफ्त इलाज हेतु पात्र हितग्राहियों का कार्ड बनाए जाएगा। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड जिले के प्रत्येक नागरिकों को बनाने के लिए आग्रह किया। यहां बताया गया कि जिले में 6 लाख 05 हजार 263 नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है।

गिल्ली-डंडा खेलकर संसदीय सचिव ने की बस्तर में संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरूआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के पांचवे चरण में संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की स्पर्धाएं चल रही हैं। बस्तर संभाग में संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक जगदलपुर के लालबाग खेल मैदान में 13 सितंबर को संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन के मुख्य आतिथ्य में शुरू हुआ। उन्होंने गिल्ली-डंडा खेलकर बस्तर के संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का शुभारंभ किया।

7 जिलों के 16 खेल विधाओं के 2400 खिलाड़ी ले रहे हैं हिस्सा

बस्तर संभाग के अंतर्गत आने वाले 7 जिलों के 16 विभिन्न खेल विधाओं में तीन आयु वर्ग के 2400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर श्री जैन ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पारम्परिक खेल विधाओं की विरासत को पुनर्जीवित कर इन खेल विधाओं से नई पीढ़ी को जोड़ने का सार्थक प्रयास छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देने के साथ ही इन खेल विधाओं के जरिये प्रतिभाओं को उभारने का बेहतर अवसर सुलभ कराया है। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के सभी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तर में अपना परचम लहरायें और बस्तर का नाम रोशन करें।

बस्तर संभाग के कमिश्नर श्याम धावड़े ने स्वागत उदबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गांव से लेकर राज्य स्तर तक पारम्परिक खेलों के प्रतिभाओं को अपने दक्षता को प्रदर्शन करने मौका मिला है। आज हुए मुकाबले में बालक वर्ग में 0-18 वर्ष आयुवर्ग के 100 मीटर दौड़ में नारायणपुर जिले के राजेश कोर्राम ने प्रथम, कोण्डागांव के योगेश कोर्राम ने द्वितीय तथा दंतेवाड़ा जिले के अनिल तामो ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं उक्त आयु समूह के बालिका वर्ग में कांकेर जिले की तार्निका ने प्रथम, दंतेवाड़ा जिले की अक्षरा वेक ने दूसरा और बस्तर जिले की वेदवती कश्यप ने तीसरा स्थान अर्जित किया।

बस्तर संभाग में संभाग स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 13 एवं 14 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर कलेक्टर विजय दयाराम के.,सभापति नगर पालिक निगम जगदलपुर श्रीमती कविता साहू, सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, सहित सभी 7 जिलों के खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री बघेल से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से लाभान्वित हितग्राहियों और उनके परिजनों ने मुलाकात कर योजना से इलाज के लिए मिली सहायता के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया। हृदय रोग से पीड़ित इन मरीजों का इलाज मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिली सहायता से राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के 'एडवांस कार्डियोलॉजी' विभाग में सफलतापूर्वक किया गया है।

ये मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस अवसर पर एडवांस कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एवं एचओडी डॉ. स्मित श्रीवास्तव और मुख्यमंत्री के सलाहकार रूचिर गर्ग भी उपस्थित थे। योजना के हितग्राहियों और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस योजना से मिली सहायता से उनका और उनके परिवार के सदस्यों का इलाज संभव हो पाया है। जटिल हृदय रोग का महंगा इलाज कराना उनके सामर्थ्य से बाहर था। इन मरीजों को योजना के माध्यम से 7 से 9.58 लाख रूपए तक की सहायता प्राप्त हुई है।

योजना से लाभान्वित हितग्राही रायपुर के लोधी पारा निवासी श्री मनमोहन लोधी ने बताया कि वे एक निजी रियल इस्टेट कंपनी में 12 हजार रूपए मासिक की नौकरी कर रहे हैं। अपने परिवार में वे कमाने वाले इकलौते सदस्य हैं। उन्हें इलाज के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से साढ़े चार लाख रूपए की सहायता मिली, जिससे हृदयघात होने पर उनका इलाज एडवांस कार्डियेक यूनिट में हुआ।

डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को बताया कि हार्टटेक के आधे घंटे के भीतर मनमोहन अस्पताल पहुंचे थे। जांच में पता चला कि उनकी एक नस में थक्का जमा है, जिसे लेजर के माध्यम से वाष्प में परिवर्तित कर नस से थक्का हटाया गया। उन्होंने बताया कि इस एडवांस टेक्नोलॉजी का पहली बार उपयोग रायपुर के मेकाहारा के एडवांस कार्डियेक यूनिट में किया गया। उन्होंने बताया कि इस योजना से मिली सहायता से एडवांस कार्डियेक यूनिट में 300 लोगों के हृदय रोग तथा ढाई सौ बच्चों के दिल के छेद को बंद करने के लिए इलाज किया गया।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से उनकी यूनिट को वर्ष 2018 से लगभग 9 करोड़ रूपए की सहायता मिली है। मुरेठी गांव के श्री विशाल राम मानिकपुरी को ढाई लाख रूपए, रायपुर की श्रीमती गणेशा बाई साहू को 06 लाख रूपए, भाठागांव के श्री लक्ष्मीकांत साहू को 06 लाख रूपए और आरंग की संध्या अग्रवाल को हृदय रोग के इलाज के लिए 9 लाख 58 हजार रूपए की सहायता प्राप्त हुई है।

वजन त्यौहार में जिले के 16 हजार से अधिक बच्चों का किया गया पोषण स्तर का जांच

नारायणपुर। जिले में वजन त्यौहार अभियान 01 सितम्बर से प्रारंभ होकर 13 को समाप्त हो गया। जिले के 559 आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों का सही वजन लेकर किया गया। वजन त्यौहार में 0 से 6 वर्ष तक के 16 हजार 500 से अधिक बच्चों का वजन लेकर पोषण स्तर को ज्ञात किया गया। वजन त्यौहार कराने के लिए बच्चों के पालको को आमंत्रण दिया गया था। साथ ही पालको के समक्ष वजन लेकर बच्चों के पोषण स्तर का रिपोर्ट तैयार किया गया। प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर दल का गठन कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, वार्ड पंच व निगरानी समिति के सदस्य दल में सम्मिलित हुए। वजन त्यौहार में बच्चों का वनज, उंचाई का माप कर सॉफ्टवेयर में एन्ट्री कर पोषण स्तर का ज्ञात किया गया। वजन त्यौहार की सम्पूर्ण डाटा की एन्ट्री पोषण ऐप के माध्यम से किया जायेगा।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

आसमान से गिरी बिजली, खेत में काम कर रहे चार लोगों की मौत, कोरबा में तीन मवेशियों की गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में बुधवार को भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली आफत बनकर टूटी। आकाशीय बिजली गिरने से बलरामपुर जिले में खेत में काम कर रहे चार लोगों की मौत हो गई। वहीं इसकी चपेट में आकर 7 लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर कोरबा जिले में भी आसमानी आफत टूटी। यहां आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशियों की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलसर में दो स्थानों पर बिजली गिरने से चार ग्रामीणों की मौत हो गई। बेलसर में खेत में कम कर रहे छह लोगों पर बिजली गिरी। इनमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित चार ग्रामीणों की मौत हो गई। वहीं, एक दूसरी घटना में खेत में कम कर रहे पांच ग्रामीणों पर भी बिजली गिरी और वे सभी गंभीर रूप से झुलस गए।

बिजली गिरने से चार ग्रामीणों की मौत और सात अन्य ग्रामीणों के गंभीर रूप से झुलस जाने की घटना से हड़कंप मच गया। सभी को शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद चार ग्रामीणों को मृत घोषित कर दिया वहीं अन्य झूम से ग्रामीणों का उपचार शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। बिजली गिरने से जिनकी मौत हुई उनमें मनशु (33), कुंती, प्रितम निवासी ग्राम पहरी तथा विपिन कुजूर (35) निवासी ग्राम बेलसर शामिल हैं। वहीं बिजली गिरने से झुलसे ग्रामीणों में मुनिया (35), निवासी बेलसर, प्रतिमा (30), निवासी बेलसर, प्रियंका (24), सम्मी (42) पत्नी, मल्ली (36), अंजना (3), संदीप (10) निवासी बांसडीह आदि शामिल हैं।

वज्रपात से इलाके में हड़कंप

इधर कोरबा जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र पसान के आश्रित मुहल्ला बोकरामुड़ी में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन मवेशियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा गया। बताया जा रहा है कि किसान के घर के आंगन में मवेशी बंधे हुए थे। इसी दौरान अचानक बादल गरजने के साथ बारिश होने लगी और आसमान से वज्रपात हुआ और बिजली मवेशियों की उपर गिर गई। जिससे मौके पर ही तीनों मवेशियों की मौत हो गई।

खास-खबर

दोस्त के पिता ने फावड़ा मारकर की युवक की हत्या

खरोरा (ए)। खरोरा समीप ग्राम खोरसी में यज्ञदत साहू की उसी के मित्र के पिता निर्मल साहू ने फावड़ा मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार यज्ञदत का अपने ही मित्र के पिता से जमीन को लेकर पुराना विवाद था। यज्ञदत साहू तालाब में नहा रहा था तभी आरोपी निर्मल साहू ने विवाद कर अपने ही बेटे के मित्र पर फावड़े से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना से आहत आरोपी ने भी जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती किया है। वहीं खरोरा में बुधवार को एक और व्यक्ति ने आत्महत्या का प्रयास किया।

जुआ खेलते मकान मालिक सहित 9 जुआरी पकड़े गए

भाटापारा (ए)। पुलिस ने मुखिबर की सूचना पर मुंशी इस्माइल वार्ड के एक मकान में काट पत्ती जुआ खेलते 9 लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने मकान मालिक एजाज खान के घर में काटपत्ती नामक जुआ खेलने की सूचना पर रेड मारी। पुलिस ने अशरफ अली, आबिद खान, अब्दुल सुहेब, मोहम्मद जमीर, सोनू गिरी, खिलेश कुमार रामपुरी, बद्रु, आमिन खान और मकान मालिक एजाज खान को पकड़ा। जुआरियों के कब्जे से नगदी 16,070 रुपए जब्त किए। आरोपियों को धारा 13, धारा 3 के तहत गिरफ्तार किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल कैद

भाटापारा (ए)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को शादी का प्रलोभन देकर भगाकर पुणे (महाराष्ट्र) ले जाने और दुषकर्म करने वाले आरोपी अजय कुमार राउत को 20 वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। आरोपी को धारा 363 में 7 वर्ष का सश्रम कारावास व 500 रुपए का अर्थदंड, 366 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास, 1000 रुपए अर्थदंड, धारा 376(जे), पाक्सो की धारा 6 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 20,000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

करंट के संपर्क में आने से महिला की हुई मौत

नर्मदा (ए)। ग्राम मानपुर नाका में बुधवार को करंट के संपर्क में आने से कृष्णा बाई सूर्यवंशी (45) की मौत हो गई। भगवान दास सूर्यवंशी ने बताया कि सुबह 7 बजे उनकी पत्नी खाना बनाने के बाद खराब पानी को फेंकने घर के सामने स्थित नार वाले पौधे के पास गई थी, जहां पर बिजली खंभे से घर के लिए आया हुआ एक तार कट कर गिरा हुआ था, जिसमें पानी को फेंकते ही करंट के संपर्क में आ गई। महिला वहीं पर गिर गई। आनन-फानन में बांस के सहारे करंट वाले तार को बिजली खंभे से पीट कर हटाया गया। महिला को गंडई हॉस्पिटल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पांच बेटियां हैं।

किशोर सशक्तीकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

एक्सपर्ट ने दी कानून की जानकारी, बाल अपराध व महिला सुरक्षा को लेकर दिए आवश्यक टिप्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस एवं यूनीसेफ के संयुक्त तत्वाधान में एनईएस कालेज जशपुर में किशोर सशक्तीकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस मौके पर लगभग 250 विधार्थियों को विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा चाईल्डलाईन द्वारा अपने विभाग से संबंधित कार्य को बारीकी से बताया गया, वहीं साईबर जागरूकता को लेकर विभिन्न प्रकार के साईबर अपराध, बैंक फ्रॉड से बचने हेतु बैनर, पोस्टर के माध्यम से जानकारी दी गई। इस मौके पर उपस्थित छात्राओं को छत्तीसगढ पुलिस द्वारा निर्मित की गई अभिव्यक्ति एप के संबंध में बताते हुए ऐप डाउनलोड कराया गया। साथ ही सामाजिक दायित्व एवं शिक्षा के महत्व को बारीकी से बताया गया।

महिलाएं व बालिकाएं समाज की नींव

प्राचार्य डॉ. विजय रक्षित ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं व बालिकाएं समाज की नींव है, बालक एवं बालिकायें को समाज में समान अधिकार प्राप्त हैं। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु शासन एवं प्रशासन प्रतिबद्ध है। उपस्थित बालिकाओं को रोल मॉडल बनने हेतु प्रोत्साहित किया गया, जिससे कि अन्य लोग अनुकरण कर सके। उपस्थित छात्राओं को शिक्षा के महत्व को बताते हुये कहा गया कि शिक्षा से हम बेहतर जीवन जीने के साथ-साथ उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

जशपुर पुलिस एवं यूनीसेफ के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को एनईएस कालेज जशपुर में किशोर सशक्तीकरण को लेकर विभिन्न विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। विद्यार्थियों को कानून की जानकारी देकर अपराध एवं अपराधियों से दूर रहने तथा अपराध घटित पर तत्काल पुलिस को सूचित करने कहा गया। उपस्थित वक्ताओं द्वारा वर्तमान में हो रहे विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं ट्वीटर से होने वाले सायबर अपराध, ठगी के बारे में बारीकी से जानकारी देकर उससे बचाव के टिप्स दिये गये।

इसके लिए बैनर, पोस्टर इत्यादि का भी उपयोग किया गया। ऑनलाइन सेफ्टी, ऑनलाइन रहने के दौरान सुरक्षित रहने के तरीके, बैंक फ्रॉड, डिजीटल इंडिया से संबंधित जानकारी एवं सेफ टच एवं अनसेफ टच के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया। उपस्थित छात्राओं को छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा निर्मित अभिव्यक्ति एप के महत्व के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा गया कि महिलाओं से संबंधित किसी प्रकार की अपराध होने पर उक्त एप में शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जिस पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही की जावेगी। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को अभिव्यक्ति एप डाउनलोड कराकर रजिस्टर्ड कराया गया।

हर तरह के अपराध से बचना चाहिए

उपपुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर परमा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अपराध से बचना चाहिए, किसी प्रकार की घटना होने पर तत्काल अपने परिजनों को अवगत कराते हुये तत्काल पुलिस को सूचित करना चाहिये, जिससे कि अपराधियों पर कार्यवाही की जा सके, साथ ही उन्हें कहा गया कि किसी प्रकार का अप्रिय घटना का सहभागी न बनें, न ही अपराधों को छुपाने का प्रयास करें। महिला एवं बाल विकास विभाग जशपुर तथा चाईल्डलाईन द्वारा जिले में चल रहे अपने विभाग से संबंधित कार्य को बारीकी से बताया गया। उक्त कार्यक्रम में यूनीसेफके जिला सलाहकार अनिल बघेल, प्राचार्य डॉ. विजय रक्षित, उपपुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर परमा, प्रो. श्रीवास्तव, महिला बाल विकास जशपुर से नीलू एक्का, कंचन, चाईल्ड लाईन जशपुर से अंजना देवी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित कफ सिरप की अवैध रुप से कर रहे थे सप्लाई, 1440 बॉटल के साथ तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ तीन नशे के सौदागर गिरफ्तार किए गए हैं। आरोपितों के पास से 1440 बॉटल प्रतिबंधित कफसिरप जब्त किया गया है। जानकारी के मुताबिक रायपुर के चौरसिया कॉलोनी के एक मकान में अवैध तरीके से स्टोरेज कर चोरी छिपे शहर के कई इलाकों में सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने तस्कर इरफान, रिजवान और अब्दुल फहीम को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले का पुलिस ने राजफाश किया है। बता दें कि साइबर सेल के नारकोटिक्स विंग और टिकरापारा थाना पुलिस टीम ने मिलकर संयुक्त कार्रवाई की है। आरोपित बिहार से सिरप लेकर आए थे।

दरअसल, एंटी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना टिकरापारा क्षेत्रांतर्गत चौरसिया कालोनी रिज मेडिकल गली पास स्थित एक मकान के सामने कुछ व्यक्ति गुलाबी रंग के बोरियों में प्रतिबंधित नशीली सिरप रखें है। आरोपित इसे लेकर कहीं जाने की फिराक में है। इस सूचना की तस्दीक कर आरोपितों को प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया। मकान के सामने तीन व्यक्ति मौजूद थे जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम इरफान खान उर्फ बब्लू, अब्दुल फहीम एवं मोहम्मद रिजवान निवासी रायपुर का होना बताया। पुलिस ने उनके पास रखे बोरियों की तलाशी ली जिसमें प्रतिबंधित नशीली सिरप कोडिन रखा होना पाया गया। पुलिस ने उक्त प्रतिबंधित नशीली सिरप रखने के संबंध में तीनों से वैध दस्तावेज या अन्य कागजात दिखाने को कहा, लेकिन आरोपितों द्वारा किसी भी प्रकार का कोई वैध दस्तावेज या कागजात पेश न कर टीम को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :-07749-222370, Email Id :– ee-res.balod@gov.in

(Zonal Tender) सूचना तृतीय बार

क्रमांक/ 39 /व.ले.लि./ ग्रा.यां.से./ 2023-24 बालोद, दिनांक 12.09.2023

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु **जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु डौण्डी ग्रुप (अ, ब, एवं स) निविदा हेतु** प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा **प्रतिशत दर** पर दिनांक 20.09.2023 को अपरान्ह 5.30 बजे तक **निविदा** आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं को दिनांक 21.09.2023 को 11:30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी :-

(1) निविदा राशि रू. 20.00 लाख प्रत्येक ग्रुप
(2) अमानत राशि रू. 20000.00 प्रत्येक ग्रुप
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :– रू. 750.00 प्रत्येक ग्रुप

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://res.cg.gov.in/ अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 12.09.2023 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला–बालोद (छ.ग.)

जी-05311/5

युवक-युवतियों को करता था ड्रग्स सप्लाई, रंगे हाथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एमडीएमए ड्रग्स के साथ ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से पांच ग्राम नशीला पाउडर जब्त किया है।

पुलिस ने इस पूरे मामले का राजफाश करते हुए बताया कि राजेंद्र नगर निवासी आरोपित तस्कर जय राजपाल के बारे में पुलिस की नारकोटिक्स विंग को सूचना मिल रही थी। दरअसल, सूचना के मुताबिक शहर के कई युवक-युवतियां पवन विहार इलाके में देर रात देखे जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस की टीम ने पतासाजी की तो उसमें सामने आया कि आरोपित तस्कर से नशे का सामान लेने देर रात यहां आते हैं। इसके बाद पुलिस ने आरोपित को दोपहिया वाहन से जाते हुए पकड़ा और तलाशी ली। तलाशी लेने पर आरोपित के पास से पांच ग्राम नशीला एमडीएमए पाउडर मिला।

आरोपित ने पूछताछ में बताया कि उत्तम नगर दिल्ली निवासी अपने साथी आकाश भारद्वाज से ड्रग्स लेकर रायपुर आता है। मोटी रकम पर यहां लोगों को सप्लाई करता था। शनिवार को वीआइपी रोड सहित अन्य क्लबों में इसकी सप्लाई करता था। पार्टी और आफ्टर पार्टी में इसके डायरेक्ट ग्राहक हैं, जहां वह ग्राहकों को सप्लाई करता है। हालांकि पुलिस ने क्लबों के नाम का राजफाश नहीं किया है। लेकिन जल्द उनपर भी कार्रवाई करने की बात कही है। पुलिस के मुताबिक दिल्ली निवासी आरोपित आकाश भारद्वाज पहले भी ड्रग्स सप्लाई के मामलों में रायपुर के थाना खम्हारडीह और बिलासपुर के कई थानों से जेल जा चुका है। आकाश भारद्वाज इस मामले में फरार है, जिसकी पतासाजी कर गिरफ्तार करने के हर संभव प्रयास पुलिस कर रही है।

राजधानी के क्लबों और कैफे में छलकाए जा रहे जाम, अवैध शराब पिलाते मैनेजर गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित कई क्लबों और कैफे में सायबर सेल और पुलिस की टीम ने सरप्राइज दबिश दी। पुलिस ने स्काई लाउंज कैफे में अवैध रूप से शराब पिलाते हुए मैनेजर आशीष शर्मा को गिरफ्तार किया। उनेक खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर किया। यह मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

क्राइम ब्रांच डीएसपी दिनेश सिन्हा ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर शहर के अलग-अलग इलाकों पर सरप्राइज चेकिंग की गई है। रायपुर के तेलीबांधा स्थित स्काई लाउंज बार में अवैध शराब पिलाते पकड़ा गया है। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कारवाई की जा रही है।

कार्यालय, सेनानी 14वीं वाहिनी (भा/र) छ.स.बल धनोरा, जिला–बालोद (छ0ग0)

क्रमांकः- 14वीं वाहिनी/भा.र./छ.स.बल/धनोरा/सा.अ./ M 1679-C /2023, दिनाँक- /2 /09/2023

-:: पुनः निविदा विज्ञप्ति ::-

सेनानी 14वीं वाहिनी (भा/र) छसबल मुख्यालय धनोरा जिला बालोद (छ0ग0) में अनुरक्षण कार्य अन्य भवन मद के अंतर्गत निम्न मरम्मत कार्य के लिये सेनानी 14वीं वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 02 लिफाफा पद्वति में (लिफाफा 'अ' में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा 'ब' में फायनेंसियल बीड) मरम्मत कार्य बाबत् मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। सील बंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता का लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	विवरण	अनुमानित राशि लाख में	सुरक्षा निधि
01	वाहिनी के अराजपत्रित अधिकारी मेस का मरम्मत कार्य	5,29,042/-	31,743/-
02	प्रधान आरक्षक/आरक्षक बैरक का मरम्मत कार्य	5,29,042/-	

01. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 21.09.2023 को समय 17:00 बजे तक,
02. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 22.09.2023 को समय 15:00 बजे तक,
03. निविदा खोलने की तिथि - 22.09.2023 को समय 16:00 बजे,

नोट :-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु राशि-1,000/-रू0 का चालान "लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट" के अंतर्गत सेनानी 14वीं वाहिनी (भा/र) छ.स.बल धनोरा, जिला-बालोद (छ0ग0) के नाम से स्वीकार्य होगा। निर्माण कार्य हेतु नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ देय होगा।

सेनानी
14वीं वाहिनी (भा/र) छ.स.बल
धनोरा, जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-05306/3

सेक्टर-6 एवं रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राजीव गांधी युवा मितान क्लब

युवाओं में

* नेतृत्व क्षमता का विकास
* स्वच्छता अभियान * स्वावलंबन
* शिक्षा एवं सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ावा
* खेलों के माध्यम से स्वस्थ समाज की स्थापना

राजीव युवा मितान क्लब को अब तक 133 करोड़ रूपए का अनुदान

प्रत्येक क्लब को खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए प्रतिवर्ष एक लाख अनुदान

प्रदेश में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 13242 राजीव गांधी युवा मितान क्लब गठित

RO-38116/2

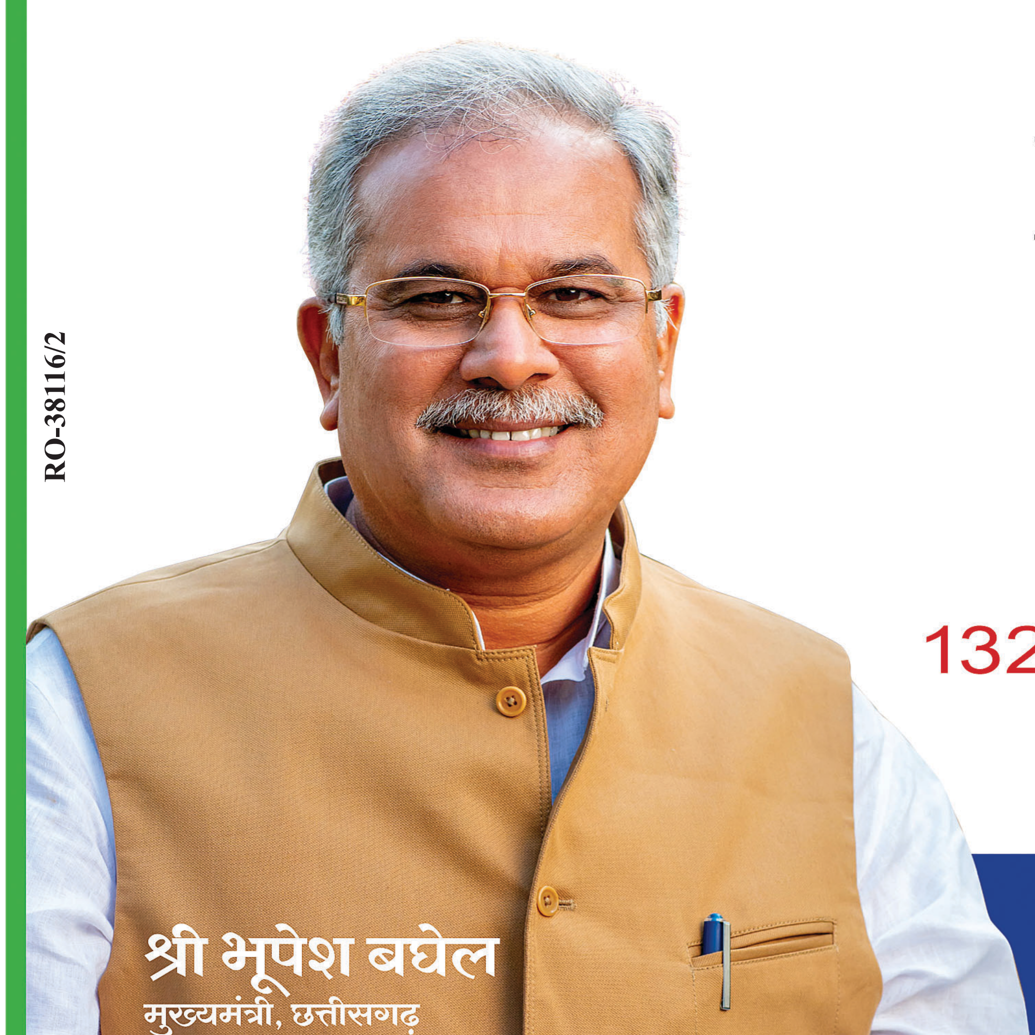

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार
भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950